● वर्ष-3
● अंक-153
रायपुर, रविवार
04 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› मौत की झूठी खबर फैलाने...

राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंची ईडी, सीएम के खिलाफ शिकायत दर्ज

मुश्किल में केजरीवाल

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केंद्रीय एजेंसी के समन का पालन नहीं करने पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अदालत में याचिका दायर की है। ईडी द्वारा धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 50 के अनुपालन में गैर-उपस्थिति के लिए शिकायत मामला दर्ज किया गया है, जो समन, दस्तावेजों के उत्पादन आदि के संबंध में ईडी की शक्तियों को निर्धारित करता है।

राउज एवन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा के समक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू पेश हुए और ईडी की ओर से दलीलें दीं। उन्होंने कहा ईडी ने केजरीवाल को अलग-अलग तिथियों पर पांच बार समन जारी कर पूछताछ में शामिल होने का मौका दिया है लेकिन वे हर बार समन का पालन करने में असमर्थ रहे है और जानबूझ कर जांच में सहयोग नहीं कर रहे। ऐसे में तय नियमों में केजरीवाल के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

कोर्ट ने मामले की सुनवाई 7 फरवरी तय की है। कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में अलग-अलग तारीखों पर पांच समन जारी होने के बावजूद केजरीवाल ने केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश नहीं होने का फैसला किया है। इसी मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह पहले से ही हिरासत में हैं।आप ने ईडी द्वारा जारी समन को राजनीति से प्रेरित बताया है और यह भी दावा किया है कि केंद्रीय एजेंसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। मनी लॉन्ड्रिंग विवादों में ईडी की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा 17 अगस्त, 2022 को 2021-22 के लिए दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं के संबंध में दर्ज एक मामले से शुरू हुई है।

भगोड़ा बन गए हैं दिल्ली के सीएम-भाजपा

भाजपा ने केजरीवाल पर प्रहार किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि आज दिल्ली के लोग भाग केजरीवाल भाग कह रहे हैं, वह भगोड़ा बन गए हैं... जब शराब घोटाले में भ्रष्टाचार के आरोपों की बात आती है तो केजरीवाल भाग जाते हैं और जब बिना किसी आधार या तथ्य के बड़े पैमाने पर अपमानजनक आरोप लगाने की बात आती है तो केजरीवाल हिट एंड रन में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि आज जब दिल्ली पुलिस ने उनसे सबूत मांगे तो अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्री भाग खड़े हुए। ये आरोप वैसे ही हैं जैसे कभी अरविंद केजरीवाल ने नितिन गडकरी पर लगाए थे... जब कुछ नहीं मिला तो उन्होंने उनसे माफी मांग ली।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न

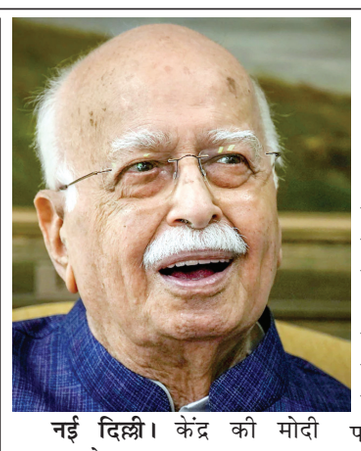

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने आज एक बड़ा एलान किया है। सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की है। इस बात की जानकारी खुद पीएम मोदी ने दी है। 96 साल के लालकृष्ण आडवाणी फिलहाल भाजपा के मार्गदर्शक मंडल के सदस्य हैं। पीएम ने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर के बाद राष्ट्रवादी नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाने के समीकरण तैयार कर दिए हैं। मोदी सरकार के इस निर्णय ने राजनीति में अंदर और बाहर दोनों ही जगह सियासी तौर साधने की कोशिश की है।

भाजपा और उसके पहले जनसंघ के भी संस्थापक सदस्य रहे लालकृष्ण आडवाणी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विचार परिवार में कई पीढ़ियों के लोग भावनात्मक तौर पर जुड़ाव महसूस करते हैं। भाजपा में नए नेतृत्व के काम संभालने के बाद आडवाणी को पहले राष्ट्रपति बनाने और फिर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बुलाए जाने को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर लिखा था। ऐसे में देश के सबसे सीनियर नेताओं में से एक आडवाणी को अब भारत रत्न से सम्मानित कर उनके प्रशंसक और समर्थक वर्ग को खुश और चुप कर दिया गया है। राष्ट्रवादी खेमे का यह वर्ग राम मंदिर बनने और मंदिर आंदोलन के नायक आडवाणी को सम्मानित होता देखकर अधिक जोश से चुनावी मैदान में मददगार साबित होगा। इससे पहले मोदी सरकार ने साल 2015 में उन्हें देश के दूसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्मविभूषण से सम्मानित किया था। देश के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होने के लिए पीएम मोदी ने आडवाणी को फोन पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (ट्विटर) पर कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने भी उनसे बात की और इस सम्मान से सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। हमारे समय के सबसे सम्मानित राजनेताओं में से एक, भारत के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनका जीवन जमीनी स्तर पर काम करने से शुरू होकर हमारे उपप्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने तक का है। उन्होंने हमारे गृह मंत्री और सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। उनके संसदीय हस्तक्षेप हमेशा अनुकरणीय और दूरदर्शी रहे हैं। पीएम ने आगे कहा, सार्वजनिक जीवन में आडवाणी की दशकों लंबी सेवा को पारदर्शिता और ईमानदारी के प्रति अटूट निष्ठा के रूप में देखा जाता है, जिसने राजनीतिक नैतिकता में एक अनुकरणीय मानक स्थापित किया है।

उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को आगे बढ़ाने की दिशा में अद्वितीय प्रयास किए हैं। उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। मैं इसे हमेशा अपना सौभाग्य मानूंगा कि मुझे उनके साथ बातचीत करने और उनसे सीखने के अनगिनत अवसर मिले।

सबसे ज्यादा समय तक भाजपा में अध्यक्ष रहे

आडवाणी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जरिए अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। कई वर्षों तक आडवाणी राजस्थान में आरएसएस प्रचारक के काम में लगे रहे। वह उन लोगों में शामिल हैं जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी थी।

1980 से 1990 के बीच आडवाणी ने भाजपा को एक राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बनाने के लिए काम किया। लालकृष्ण आडवाणी तीन बार (1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। 1984 में महज दो सीटें हासिल करने वाली पार्टी को अगले लोकसभा चुनावों में 86 सीटें मिलीं। पार्टी की स्थिति 1992 में 121 सीटों और 1996 में 161 पर पहुंच गई। आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस सत्ता से बाहर थी और भाजपा सबसे अधिक संख्या वाली पार्टी बनकर उभरी थी।

अटल सरकार में उप-प्रधानमंत्री- वह 1998 से 2004 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में गृहमंत्री रह चुके हैं। लालकृष्ण आडवाणी 2002 से 2004 के बीच अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में भारत के सातवें उप प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके हैं। 10वीं और 14वीं लोकसभा के दौरान उन्होंने विपक्ष के नेता की भूमिका बखूबी निभाई है। 2015 नें उन्हें भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

राम मंदिर निर्माण के लिए राम रथ यात्रा- 1980 की शुरुआत में विश्व हिंदू परिषद ने अयोध्या में राम जन्मभूमि के स्थान पर मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन की शुरुआत करने लगी। उधर आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा राम मंदिर आंदोलन का चेहरा बन गई।

ममता के बयान पर फिर अधीर हुए चौधरी, पूछा-

बीजेपी और दीदी एक ही भाषा क्यों बोल रहे हैं?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बीच जुबानी जंग लगातार जारी है। ममता बनर्जी हाल में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि सबसे पुरानी पार्टी लोकसभा चुनाव में 40 सीट भी नहीं जीतेगी। इसकी को लेकर अधीर रंजन चौधरी ने पलटवार किया है। चौधरी ने कहा कि भाजपा बोलती है कि कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। वहीं भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए ममता बनर्जी बोलती हैं कि कांग्रेस को 40 सीटें भी मिल जाएं तो बहुत है।

अधीर रंजन चौधरी ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा और पीएम मोदी बोलते हैं कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है, यही बात ममता बनर्जी भी बोलती हैं। उन्होंने कहा कि क्यों भाजपा और दीदी एक ही भाषा बोल रहे हैं?। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आप(ममता बनर्जी) बोलती हैं कि ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन का नामकरण आपने किया है तो फिर आज आपको ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन क्यों खराब लग रहा है? उन्होंने कहा कि आपके लिए राज्य बाद में है... राहुल गांधी के लिए देश पहले है, बाकी सब बाद में है। अधीर ने कहा कि बीजेपी कहती है कि कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस के पास कुछ नहीं है. बीजेपी के सुर में सुर मिलाते हुए ममता बनर्जी का कहना है कि अगर कांग्रेस को 40 सीटें भी

मिल जाएं तो काफी है। ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में 300 सीटों पर चुनाव लड़ने के बाद वह 40 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। बनर्जी ने कांग्रेस को वाराणसी लोकसभा सीट जीतने की भी चुनौती दी, जो पिछले दो कार्यकाल से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र है। उन्होंने एक चिंताजनक पैटर्न की ओर भी इशारा किया.

नारायणपुर जिले के युवा मलखंब कलाबाजों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सामने शानदार तरीके से अपनी कला का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया।

प्रमुख समाचार

राज्यपाल बनवारीलाल का इस्तीफा निजी कारणों का दिया हवाला

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने आधिकारिक पत्र में, बनवारीलाल पुरोहित ने पंजाब के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के राज्यपाल पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। पुरोहित ने अपने इस्तीफे में लिखा कि अपने व्यक्तिगत कारणों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण, मैं पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक, केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ के पद से अपना इस्तीफा देता हूं। कृपया इसे स्वीकार करें और उपकृत करें। पुरोहित ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। उनकी मुलाकात चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा की जीत के कुछ दिनों बाद हुई थी, जिसमें तीनों पदों पर कब्जा बरकरार रखा गया है, जो कांग्रेस-आप गठबंधन के लिए एक झटका है, जिसने पीठासीन अधिकारी पर मतपत्रों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। पुरोहित का इस्तीफा पंजाब में लंबित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी को लेकर उनके और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार के बीच गतिरोध के बीच आया है।

फ्लोर टेस्ट में हिस्सा ले पाएंगे हेमंत सोरेन

नई दिल्ली। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि ईडी ने याचिका पर जोरदार आपत्ति जताई क्योंकि वास्तविक इरादा सरकार को गिराना था। अब मामला सुलझ गया है। हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने का उद्देश्य एक विधायक को फ्लोर टेस्ट वोटिंग में भाग लेने की अनुमति न देकर सरकार को गिराना था। यह पूरी कवायद दुर्भावनापूर्ण है, जो शुरू से ही हमारा रुख रहा है। फ्लोर टेस्ट 5 फरवरी को सुबह 11 बजे शुरू होगा और जब तक वोटिंग जारी रहेगी तब तक हेमंत सोरेन इस प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। चंपई सोरेन 5 फरवरी को विधानसभा में अपना बहुमत साबित करेंगे। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के विधायकों को भाजपा के अवैध शिकार के प्रयासों से सुरक्षित रखने के लिए हैदराबाद के एक रिसॉर्ट में रखा गया है। इसलिए, आवेदक (सोरेन) वर्तमान आवेदन दायर कर इस माननीय न्यायालय से एक आदेश की मांग कर रहा है ताकि आवेदक को झारखंड विधान सभा के विशेष सत्र में भाग लेने और फरवरी में होने वाले फ्लोर टेस्ट की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति दी जा सके। सुबह 11 बजे 5 बजे, याचिका में कहा गया है। अदालत ने याचिका मंजूर कर ली।

हिमाचल में होगी तेज बर्फबारी 500 से ज्यादा सड़कें बंद

शिमला। बर्फबारी के कारण 4 राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 504 सड़कें बंद हो गई हैं, जिससे राज्य भर में बिजली और जल आपूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया, बर्फबारी के कारण राज्य में 4 राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 504 सड़कें अभी भी बंद हैं। इसमें शिमला में 161, लाहौल-स्पीति में 153, कुल्लू में 76, मंडी में 44, चंबा में 62, किन्नौर में 7 और कांगड़ा में एक सड़कें शामिल हैं। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 674 बिजली आपूर्ति योजनाएं बाधित हो गई हैं और 44 जल आपूर्ति योजनाएं भी बाधाओं का सामना कर रही हैं। स्थानीय मौसम विभाग ने शनिवार को कई स्थानों पर आंधी और बिजली गिरने और रविवार को कई स्थानों पर भारी बर्फबारी के साथ तूफान, बिजली गिरने और ओलावृष्टि के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

भाजपा ने झारखंड में सरकार 'चोरी' करने की कोशिश की

गोड्डा/देवघर (झारखंड)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर झारखंड में सरकार की चोरी की कोशिश करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जनादेश की रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया. गोड्डा जिले में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन सरकार को बचाने में कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला. उन्होंने एक बार फिर भाजपा की विचारधारा का विरोध करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई. वह बाद में देवघर पहुंचे और कुंवर सिंह चौक पर एक अन्य रैली को संबोधित करने के अलावा प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में रुद्राभिषेक किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा, देश का युवा रोजगार चाहता है. भाजपा और प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी ने देश में बेरोजगारी की बीमारी फैलाई है. इस नई बीमारी ने भारतीय युवाओं को संक्रमित कर दिया है और उनका भविष्य बर्बाद कर दिया है. राहुल गांधी ने देश में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े वर्ग के लोगों का वास्तविक आंकड़ा जानने के लिए जाति आधारित गणना कराने पर भी जोर दिया.

11 हजार किमी रेंज बोफोर्स गन से लैस

नई दिल्ली। आईएनएस संधायक को शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में विशाखापत्तनम में नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह कहते हुए कि एसवीएल जहाज महासागरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने और देश के साथ-साथ दूसरों की रक्षा करने के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने में काफी मदद करेगा। सिंह ने चेतावनी दी कि समुद्री डकैती और तस्करी में शामिल लोगों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आईएनएस संध्याक की प्राथमिक भूमिका सुरक्षित समुद्री नेविगेशन को सक्षम करने के लिए बंदरगाहों, बंदरगाहों, नौवहन चैनलों, मार्गों, तटीय क्षेत्रों और गहरे समुद्रों का पूर्ण पैमाने पर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करना है। समुद्री डाकुओं से जहाजों को बचाने के लिए भारतीय नौसेना की त्वरित प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में अदन की खाड़ी, गिनी की खाड़ी आदि जैसे कई चोक प्वाइंट मौजूद हैं.

सुप्रीम कोर्ट राउंड अप

व्यासजी तहखाने में पूजा की अनुमति, सोरेन को सुको से झटका

सुप्रीम कोर्ट से लेकर लोअर कोर्ट तक के वीकली राउंड अप में इस सप्ताह कानूनी खबरों के लिहाज से काफी उथल-पुथल वाला रहा है। हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। ज्ञानवापी तलगृह में पूजा के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंची अंजुमन इंतेजामिया को नहीं मिली राहत। सुप्रीम कोर्ट ने 32 सप्ताह का गर्भ गिराने की अनुमति देने से किया इनकार।

व्यासजी तहखाने में पूजा

वाराणसी की जिला अदालत ने अपने फैसले में ज्ञानवापी के एक तहखाने में हिंदू पक्ष को पूजा की इजाजत दे दी। इस फैसले को अंजुमन इंतजामिया मस्जिद समिति ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी। लेकिन हाई कोर्ट ने भी राहत देने से इनकार कर दिया। यमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने महाधिवक्ता को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के भीतर और बाहर कानून व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 6 फरवरी को होगी। अदालत ने ज्ञानवापी स्थित व्यास तहखाने (दक्षिणी तहखाना) में स्थित मूर्तियों की पूजा, राग-भोग की इजाजत दी है। अव 31 साल बाद इस तहखाने और वहां विराजमान नंदी के बीच की लोहे की बैरिकेडिंग को हटाकर पूजा-पाठ हो सकेगा। व्यास तहखाना वही जगह है, जहां एएसआई को अपने वैज्ञानिक सर्वे में वर्तमान ढांचे (मस्जिद) से पहले

बड़ा और भव्य मंदिर होने के पुख्ता सबूत मिलने का दावा किया था। व्यास तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार परिवार के शैलेंद्र व्यास ने 25 सितंवर 2023 में जिला जज की अदालत में अर्जी दी थी।

32 हफ्ते का गर्भ गिराने की मंजूरी नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने 26 साल की विधवा महिला को 32 हफ्ते का गर्भ गिराने की इजाजत नहीं दी। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल बोर्ड के मुताबिक भ्रूण सामान्य है। महज दो हफ्तों की बात है। वह बच्चे को जन्म देने के बाद गोद दे सकती है। महिला ने पिछले साल अक्टूबर में पति को खो दिया था। कुछ दिन बाद ही पता चला कि वह गर्भवती हैं। वह डिप्रेशन में थीं। महिला ने अबॉर्शन का फैसला लिया, लेकिन अस्पताल ने मना कर दिया, क्योंकि 24 हफ्ते से ज्यादा के गर्भ का अबॉर्शन कराना गैर-कानूनी है।

एएमयू का अल्पसंख्यक दर्जा?

सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) को अल्पसंख्यक दर्जा देने के मुद्दे पर दलीलें सुनते हुए कहा कि किसी अल्पसंख्यक संस्थान के राष्ट्रीय महत्व का संस्थान होने में कुछ भी %मौलिक रूप से असंगत% नहीं है। शीर्ष अदालत की टिप्पणी अहम मानी जा रही है, क्योंकि केंद्र ने अपनी लिखित दलील में कहा है कि स्थापना के समय एएमयू %राष्ट्रीय स्वरूप% का संस्थान है। इसे अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद-30 के तहत प्रावधान है कि अल्पसंख्यक संस्थान स्थापित हो सकता है और उसे चलाया जा सकता है।

केरल में बीजेपी नेता की हत्या के 15 दोषियों को उम्र कैद

केरल की एक अदालत ने दिसंबर 2021 में अलप्पुझा में बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की हत्या के मामले में प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से जुड़े 15 लोगों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश मावेलिक्कारा वीजी श्रीदेवी ने दोषियों को सजा सुनाई। मारे गए श्रीनिवासन के परिवार और बीजेपी ने फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने श्रीनिवासन को महान शहीद वताते हुए कहा कि उन्हें आज न्याय मिल गया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने कहा कि हम फैसले का स्वागत करते हैं।

हेमंत सोरेन को झटका

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भूमि धोखाधड़ी मामले में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पांच दिन की हिरासत में भेज दिया गया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मामले में ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली हेमंत सोरेन की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की विशेष पीठ ने 48 वर्षीय झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता को झारखंड उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने को कहा। जांच एजेंसी द्वारा जारी समन को रद्द करने और गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने की मांग को लेकर हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

पंडरिया में आदिवासी परिवार की मौत पर सियासत नागाडबरा अग्निकांड को कांग्रेस ने बताया हत्या

कवर्धा। पंडरिया ब्लॉक के वनांचल क्षेत्र थाना कुकदूर के नागाडबरा गांव में 15 जनवरी के दिन एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया था।जिसमें आदिवासी परिवार के तीन लोगों को जलकर मौत हुई थी।इस घटना में पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद गैस सिलेंडर के कारण आग का लगना बताया था।जबकि मृतक के परिजन और ग्रामीणों की माने तो ये पूरी हत्या की साजिश है। जिसे लेकर अब कांग्रेस सरकार के खिलाफ हमलावर हो रही है।

पुलिस की जांच पर सवाल

पंडरिया कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नवीन जायसवाल के मुताबिक पुलिस प्रशासन की कार्रवाई सवालों के घेरे में हैं।पुलिस रह रहकर अलग-अलग बातें कर रही है। कभी कहते हैं गैस सिलेंडर फटने से हादसा हुआ।जबकि घर का गैस सिलेंडर सही सलामत था।फिर कहते हैं खाना बनाने के बाद आग लगने से मौत हुई। जबकि घटना वाले दिन परिवार शादी में गया था।जहां से सभी खाना खाकर वापस लौटे थे।जिसके कारण घर में उस रात चूल्हा नहीं जला था। मृतक के घर के पास खून के छींटे देखे गए थे। कांग्रेस ने पुलिस पर लीपापोती करने का आरोप लगाया है।वहीं इस घटना को लेकर पुलिस की जांच पर सवाल उठाते हुए, कांग्रेस ने मृतक के परिजनों को सरकारी नौकरी और 50 लाख का मुआवजा देने की मांग की है।

एएसपी हरीश राठौर ने कहा पुलिस जांच में अभी सब आना बाकी है। लोगों से मिली जानकारी के अनुसार साक्ष्य इकट्ठा किया जा रहा है। जिसमें कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहीं मृतक की दुश्मनी तो नहीं थी, जांच टीम गठित कर बारीकी से एक एक पहलु पर नजर रखते हुए कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस ने सीएम का फूंका पुतला

नागाडबरा में आदिवासी परिवार की मौत मामले में कांग्रेस ने पांच सदस्यों की टीम गठित कर जांच समिति का गठन किया। जिस पर शुक्रवार को बैगा आदिवासी समाज के तीन सदस्यों की मौत पर कुई बाजार चौक में मृतक के परिजन और कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन किया। आदिवासियों के साथ कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन करके स्थानीय विधायक भावना बोहरा और सीएम विष्णुदेव साय का पुतला फूंका।इस दौरान प्रदर्शकारियों और पुलिस के बीच झूमाझटकी भी हुई।प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।ऐसा ना होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर्स ने फर्जी तरीके से बेच दी किसानों की धान

■ अन्नदाताओं से धोखाधड़ी, 32 लाख रुपये लेकर हुए फरार

पिथौरा। महासमुंद जिले के पिथौरा ब्लॉक के जाडामुडा धान खरीदी केंद्र में लगातार एक के बाद एक फर्जीवाड़ा का खुलासा हो रहा है। अब यहां अन्नदाताओं से लाखों रुपये की धोखाधड़ी की गई है। इस धान संग्रहण केंद्र के समिति प्रबंधक और दो कंप्यूटर ऑपरेटर्स ने 19 किसानों के धान को किसानों को धोखे में रख कर दूसरों के खाते में चढ़ाकर 33 लाख रुपए निकाल लिए और फरार हो गए हैं। मामला बसना थाना क्षेत्र का है।

पूरा मामला यह है कि जाडामुडा उपार्जन केंद्र प्रभारी उमेश भोई, कंप्यूटर ऑपरेटर मनीष प्रधान, मनोज प्रधान ने मिलीभगत कर 19 किसानों का धान दूसरे किसानों के खाता में बेचकर राशि निकाल ली। मामला सामने आने के बाद केंद्र प्रभारी समेत ऑपरेटर फरार हो गए हैं। वहीं, किसानों की शिकायत पर बसना थाने में धान खरीदी केंद्र प्रभारी और दो कम्प्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ धारा 420, 409, 34 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

किसानों की खून-पसीने की कमाई धोखे से धान खरीदी केंद्र प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटर ने फर्जी किसानों के खाता में धान बेचकर 32 लाख 90 हजार रुपये निकाल लिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब किसानों ने अपने बेचे गए धान के पैसै नहीं आने पर धान संग्रहण केंद्र में जमकर हंगामा किया। अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किए तो पता चला कि इन 19 किसानों के धान दूसरे के खातों में चढ़ाकर धान बेच दिया गया है और राशि निकाल ली है।

इस मामले में बसना थाना प्रभारी आशीष वासनिक ने कहा कि किसानों की शिकायत पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद से ही तीनों फरार है, जिनकी तलाश की जारी रही है। धान खरीदी में फर्जीवाड़ा के मामले में केंद्र प्रभारी के खिलाफ बसना थाने में विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

बता दें कि, पहले इसी खरीदी केंद्र में फर्जी रकबा बढ़ाकर धान की खरीदी कर करीब 2 करोड़ का फर्जीवाडा किया गया था। शिकायत के बाद 2 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़ा के आरोप में बसना थाना में जाडामुडा सहकारी सोसाइटी के समिति प्रबंधक उमेश भोई और एक किसान राम प्रसाद के खिलाफ बसना थाना में एफआईआर किया गया था।

हाईकोर्ट ने जैजैपुर विधायक और चुनाव आयोग को भेजा नोटिस

कांग्रेस विधायक पर क्रिमिनल रिकॉर्ड छुपाकर चुनाव लड़ने का आरोप लगा है

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने जैजेपुर विधायक बालेश्वर साहू को निजता के हनन पर सख्त रुख अपनाते हुए नोटिस जारी किया है। साथ ही कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन से भी मामले में जवाब मांगा है।

जैजैपुर विधानसभा चुनाव को लेकर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर हुई है। जिसमें बताया गया है कि विधायक बालेश्वर साहू ने अपना क्रिमिनल रिकॉर्ड छुपाते हुए चुनाव लड़ा है।

सुनवाई के दौरान बताया गया कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि जिन उम्मीदवारों के क्रिमिनल रिकॉर्ड है वह स्थानीय मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया में शेयर करेंगे। जिससे मतदाताओं को अपने उम्मीदवार के विषय में जानकारी हो, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस मामले को लेकर जैजैपुर विधानसभा के मतदाता सरोज चंद्रा और दिगंबर साहू ने हाईकोर्ट में अलग अलग दो याचिका दायर की है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद चुनाव आयोग और जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

दो चुनाव याचिका पर कोर्ट ने ईवीएम और वीवीपैट किया स्वतंत्र

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के बाद हाईकोर्ट में कई चुनाव याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। इससे पहले पत्थलगांव विधायक के मामले में भी सुनवाई हुई थी और अब जैजैपुर विधानसभा चुनाव को लेकर सुनवाई चल रही है। दोनों ही मामलों में वकील के माध्यम से मांग की गई कि लोकसभा चुनाव को लेकर ईवीएम और वीवीपैट को उपयोग करने की अनुमति दिया जाए, जिसको लेकर हाईकोर्ट ने दोनों ही मामलों में ईवीएम और वीवीपैट को स्वतंत्र करते हुए इसे लोकसभा चुनाव में उपयोग करने की इजाजत दे दी है।

भूविस्थापितों ने बयां किया अपना दर्द

नौकरी व मुआवजे के नाम पर एनटीपीसी गुमराह कर रहा

कोरबा। कोरबा में एनटीपीसी भूविस्थापितों ने अनिश्चितकालीन आमरण अनशन के संबंध में तानसेन चौक पर प्रेस वार्ता की। इस दौरान भूविस्थापितों ने कहा कि वह नौकरी व मुआवजा को लेकर एनटीपीसी व जिला प्रशासन ने झूठे आश्वासन दिया है। इसके निवारण के लिए आमरण अनशन पर बैठे हैं। भूविस्थापितों का कहना है एनटीपीसी ने नौकरी व मुआवजा को लेकर लिखित में पत्र जारी नहीं किया है, ऐसे में मजबूर होकर आमरण अनशन करना पड़ा है।

सन् 1978-79 में चारपारा गांव की जमीन एनटीपीसी कोरबा व भू-अर्जन बिलासपुर के माध्यम से अधिग्रहण की गई थी। 1980-1986 तक एनटीपीसी कोरबा के द्वारा और भू अर्जन अधिकारी बिलासपुर एवं भू अर्जन अधिकारी कोरबा के द्वारा ग्राम चारपारा के कुछ किसानों को शेष मुआवजा नहीं दिया गया। ग्राम चारपारा की संपूर्ण जमीन लगभग 1000 एकड़ भूमि को एनटीपीसी कोरबा के द्वारा अधिग्रहण किया गया है। 650 एकड़ भूमि का मुआवजा दिया गया है, बाकी शेष भूमि का मुआवजा बाकी है। चार सितंबर 1979 में एक सूचना जारी की गई, जिसमें बताया गया कि प्रत्येक परिवार को क्रमिक रूप से रोजगार प्रदान किया जाएगा। 1981 में बिलासपुर कलेक्टर के द्वारा अभिलंब नौकरी देने के लिए एग्रीमेंट किया। एनटीपीसी प्रबंधक 1987 में आम सूचना अनुसार, सीपत बिलासपुर के 33 भूविस्थापितों को ट्रेनिंग कराकर भर्ती किया। ग्राम चारपारा के भूस्थापित राजन कुमार पटेल घसियारामकेवट मथुरा कुमार केवट रामायण प्रसाद केवट शुभम केवट आमरण अनशन पर हैं। पूर्व कलेक्टर संजीव कुमार झा ने कहा कि पात्रता रखते हैं तो नौकरी दी जाएगी। जमीन की जांच की जाएगी।

एनटीपीसी के भूस्थापित लगभग 40 वर्षों से लगातार नौकरी व मुआवजा के लिए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। अभी वह बुजुर्ग हो चुके हैं। उनके वारिस 22 अप्रैल 2023 आईटीआई रामपुर चौक के पास 93 दिन तक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे रहे। निराकरण नहीं होने पर दिनांक 24 जुलाई 2023 को एनटीपीसी गेटबंदी करने गए गेट पर सांकेतिक प्रदर्शन किया। जिला प्रशासन व एनटीपीसी प्रबंधक ने आश्वासन देकर गुमराह किया।

जिला महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष ने थामा भाजपा का दामन

जशपुर। विधानसभा में मिली हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है लेकिन इससे पहले ही कांग्रेस को जिले में बड़ा झटका लगा है। पत्थलगांव क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य और जिला महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष बुधियारीन सोनी ने कांग्रेस छोड़ कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है।

जानकारी के अनुसार बुधियारिन सोनी ने शुक्रवार को कुनकुरी में जिला भाजपा के महामंत्री भरत सिंह के निवास में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय, जिला अध्यक्ष सुनिल गुप्ता, जिला पंचायत,जशपुर के उपाध्यक्ष उपेन्द्र यादव,भाजयुमो के अमन शर्मा की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार राय ,भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील गुप्ता ने बुधियारिन सोनी का पार्टी में स्वागत किया है। इसके बाद डीडीसी बुधियारिन सोनी बगिया स्थित सीएम निवास पहुंची और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्म पत्नी कौशल्या साय से मुलाकात की।

कौशल्या साय ने पार्टी का गमछा पहना कर बुधियारिन सोनी का पार्टी में स्वागत किया। इस दौरान बुधियारिन सोनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी रीति नीति और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कार्यो से प्रभावित होकर भाजपा प्रवेश करने का निर्णय लिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बस्तर में बढ़ेगी रेल सुविधाएं जगदलपुर पहुंचे डीआरएम

जगदलपुर। वाल्टेयर रेलवे डिविजन के डीआरएम सौरभ प्रसाद शनिवार को जगदलपुर के दौरे पर पहुंचे। डीआरएम ने जगदलपुर रेल स्टेशन का निरीक्षण करते हुए अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के उन्नयन का जायजा लिया और जरूरी दिशा निर्देश दिए। बता दें कि 17 करोड़ रुपए की लागत से जगदलपुर रेलवे स्टेशन का उन्नयन किया जा रहा है। इस योजना के तहत स्टेशनों को आधुनिक बनाने के साथ ही यात्री सुविधाओं का विस्तार करने पर रेलवे का फोकस है। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए डीआरएम सौरभ प्रसाद ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा दिए जाने का असर दिखने लगा है। उन्होंने कहा, रेल लाइन दौहरीकरण के साथ ही भांसी में ब्रिज का काम पूरी होने के कगार पर है। इस मौके पर बस्तर रेल आंदोलन के सदस्यों ने भी डीआरएम से मुलाकात कर बस्तर में नई ट्रेनें शुरू करने, बंद पड़ी ट्रेनों को शुरू करने और अन्य रेल सुविधा देने की मांग की। डीआरएम ने बस्तर रेल आंदोलन के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास करने की बात कही।

खनिज और राजस्व विभाग का एक्शन, 4 खदान सील

बिलासपुर। खनिज व राजस्व विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले 4 खदानों को सील किया है। रेत और छह हाइवा जब्त करने की कार्रवाई भी की है। बिलासपुर खनिज व राजस्व विभाग की टीम ने शुक्रवार को एक साथ कई खदानों पर दबिश दी। टीम ने मस्तुरी स्थित निम्न श्रेणी चूना पत्थर की कुल 4 खदानों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों की टीम मेसर्स जीएस मिनरल्स, प्रो संजय पवार ग्राम कोसमडीह मस्तुरी, दौलतराम बिधानी ग्राम मस्तुरी, मेसर्स बिलासादाई मिनरल्स, प्रो। संजय छापरिया ग्राम मस्तुरी, मेसर्स कन्हैया मिनरल्स प्रो. प्रकाश चनानी ग्राम मोहतरा पहुंची। चारों खदान मालिकों से विस्फोटक, पर्यावरण स्वीकृति, जल व वायु सम्मति की परमिशन के बारे में पूछा। इसके साथ ही जरूरी दस्तावेज और इंट्री और आउट करने की रजिस्ट्री के बारे में पूछा। जिसके बारे में खदान मालिक कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा पाए। जिसके बाद टीम ने चारों खदानों को अगले आदेश तक सील कर दिया।

गौरेला पेंड्रा मरवाही में सैंकड़ों महिलाओं से ठगी

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला में आधा दर्जन ग्राम पंचायतों में शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर सैंकड़ों महिलाओं से ठगी की गई है। जिसमें नेवरी, पंडरीपानी, डोंगरीटोला सहित 5 गांवों के लगभग सैकड़ों महिलाओं ने कलेक्टर ऑफिस पहुंचकर लिखित शिकायत दी है। जिसमें महिलाओं ने कहा कि गौरेला के गोरखपुर की रहने वाली सोफिया खान ने महिलाओं को ठगा है। सोफिया खान ने ग्रामीण महिलाओं को झांसे में लेकर शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोकल समूह बनवाया।इसके बाद निजी बैंकों से लोन निकाल लिया गया, इसके बाद कुछ दिनों तक लोन का पैसा जमा किया गया। इस केस में ग्रामीण महिलाओं को मुफ्त में प्रधानमंत्री आवास और शौचालय के साथ घर के बच्चों को शादी शासकीय योजनाओं के तहत करवाने का झांसा दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के नाम से लोन निकलवाने के बाद सोफिया खान पीड़ितों से बिल्कुल अलग हो गई। इसके बाद सोफिया ने ना तो फोन उठाया और ना ही ग्रामीणों से कोई संपर्क किया।

ऑपरेशन मुस्कान ने लौटाई परिवारों की खुशियां

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत पिछले 1 माह में दुर्ग पुलिस ने वर्षों से लापता करीब 93 बच्चों को देशभर से राज्यों से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा। अपनों को देखकर परिजनों की खुशियों के आंसू निकल पड़े। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (क्राइम) डॉ अनुराग झा ने बताया कि जिले के सभी थाना चौकियों में कई वर्षों से गुम हुए बालक-बालिकाओं को खोजा गया है। थानों की टीम ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, गाजियाबाद, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश पुलिस-टीम भेजी गई। इस अभियान में 2 लड़कियां ऐसी भी जो 12-13 साल पहले गुम हुई थी। जिन्हें ओडिशा से ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के दौरान 14 लड़के और 79 लड़कियां यानी राज्यभर के कुल 93 गुमशुदा बच्चों को बरामद किया है। एएसपी (क्राइम) के मुताबिक सबसे अधिक थाना सुपेला, वैशालीनगर, जामुल एरिया के 11 बच्चों को तलाश किया गया है। छावनी में 09 और पद्मनाभपुर में 7 बच्चों को ऑपरेशन मुस्कान के तहत बरामद किया गया है।

रायपुर के अग्रसर प्राइड कॉलोनी पहुंचे निगम आयुक्त

रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा शुरू की गई कॉलोनियों की त्रैमासिक स्वच्छता रैंकिंग से जुड़े आवासीय परिसरों की तैयारी का जायजा लेने कमिश्नर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज जोन 9 के अवंति विहार क्षेत्र में बने अग्रसर प्राइड कॉलोनी पहुंचे। इस दौरान स्वच्छ भारत मिशन की टीम ने गीले व सूखे कचरे के पृथक्करण के महत्व को समझाया और स्वच्छता संबंधित किए गए प्रबंधों पर निवासियों का फीडबैक लिया । स्थानीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष श्री प्रमोद मिश्रा, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी श्री रघुमणि प्रधान,जोन 9 के कमिश्नर श्री संतोष पांडे सहित नगर की टीम साथ रही। नगर निगम आयुक्त मिश्रा से चर्चा में आवासीय परिसर के पदाधिकारी महिलाओं बच्चों ने क्लीन ग्रीन अवार्ड और स्वच्छता रैंकिंग में अपनी कॉलोनी की दावेदारी और उत्साह के विषय में अवगत कराया आयुक्त श्री मिश्रा ने सभी से स्वच्छता व अन्य नगर निगम सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया ।पार्षद श्री प्रमोद मिश्रा ने स्वच्छता रैंकिंग में अपनी कॉलोनी को प्रथम स्थान पर लाने के

महंत राजा सर्वेश्वरदास हॉकी देश की अग्रणी स्पर्धा में शामिल

■ ओलंपियन सहित अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दिखा रहे हैं जौहर

राजनांदगांव। देश के साथ ही एशियाई देशों में पहचान बना चुकी महंत राजा सर्वेश्वरदास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2024 का आयोजन हॉकी इण्डिया के मानचित्र में एक उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है। सन् 1941 से प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता को देश व एशियाई देशों में अच्छी पहचान मिली है। इस वर्ष देश की नामचीन टीमों के साथ ही ओलंपियन एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का भी जमावड़ा इस हॉकी नर्सरी में है। इन खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन जहां एक ओर हॉकी नर्सरी की खेल प्रेमी जनता

देख रही है, वहीं अतिथि टीमों के खिलाड़ियों के अलावा स्थानीय नवीन खिलाड़ियों को भी इनके खेल कौशल एवं तकनीकी खेल के सहारे अपने खेल को और उम्दा करने में मदद भी मिल रही है। यह प्रतियोगिता हॉकी खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए एक बेहतरीन मंच शाबित हो रहा है। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी निश्चित ही आगे चल कर भारतीय हॉकी टीम में शामिल होकर देश का नाम रौशन करेंगे।

दिग्विजय स्टेडियम समिति एवं आयोजन समिति द्वारा 29 जनवरी से 7 फरवरी 2024 तक आयोजित 80वीं महंत राजा सर्वेश्वरदास स्मृति अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता अन्तर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेली जा रही है। इस वर्ष देश की प्रतिष्ठित एवं चुनिंदा टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहीं है। देश के विभिन्न राज्यों की श्रेष्ठ टीमों के अलावा विभिन्न संस्थाओं की भी नामचीन टीमें अपने हॉकी खेल कौशल का प्रदर्शन कर रही है। इस प्रतियोगिता में देश की 24 टीमें हिस्सा ले रही है। जिसमें पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड नई दिल्ली, आर्मी स्पोर्ट्स कन्ट्रोल बोर्ड नई दिल्ली, रेल्वे कोच फैक्ट्री कपूरथला, साउथ सेंटर सिकंदराबाद, कस्टम पुणे, एयर फोर्स नई दिल्ली, साउथ दक्षिण पूर्व रेल्वे कोलकता, हॉकी तमिलनाडु, सेन्ट्रल रेल्वे मुम्बई, आर्मी इलेवन जालंधर, सेल अकादमी राउरकेला, दिल्ली एकादश, नवल टाटा जमशेदपुर, बंगाल हॉकी एसोसिएशन, एनसीओई लखनऊ, हॉकी महाराष्ट्र, जीएसटी चेन्नई, एनसीओई इम्फाल मणिपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई इटावा, सीटीसी मुम्बई, साई हॉस्टल सुंदरगढ़, हॉकी गंगपुर के साथ ही मेजबार हॉकी राजनांदगांव की टीमें प्रतियोगिता में शामिल है। संस्कारधानी राजनांदगांव में खेली जा रही 80वीं महंत राजा सर्वेश्वर दास अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता 2024 में भाग लेने के लिए देश की बहुप्रतिष्ठित टीमें पहुंची हैं।

कलेक्टर अग्रवाल से हॉकी नेशनल चैम्पियनशिप विजेता ने की भेंट

■ थाईलैण्ड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फ्लोरबॉल चैम्पियनशिप के लिए हुई चयनित

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल से कलेक्टोरेट में हॉकी नेशनल चैम्पियनशिप विजेता खिलाड़ी सुश्री सांईका साहू ने सौंजन्य भेंट की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सुश्री सांईका साहू को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकानाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कलेक्टर ने कहा कि आगे भी इसी तरह उपलब्धियां हासिल करें और सफलता के नये आयाम स्थापित करें।

गौरतलब है कि हॉकी नेशनल चैम्पियनशिप विजेता खिलाड़ी सुश्री सांईका साहू शहर के कला- संस्कृति व पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले श्री अंकालू साहू एवं श्रीमती किरण साहू की

सुपुत्री है। थाईलैण्ड में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए चयनित की गई है। हॉकी के अलावा फ्लोर बॉल, थ्रो बाल, बास्केट बॉल, दौड़, रिलेरेस, खो-खो, शार्ट पुट खेल सहित अन्य खेलों में बेहतर दखल रखने वाली सुश्री सांईका को दिल्ली के चैम्पियनशिप में ट्राफी देकर सम्मान किया गया। फ्लोर बॉल खिलाड़ी सुश्री सांईका ने 16वें नेशनल फ्लोर बाल में ग्वालियर यूनिवर्सिटी में कैप्टन टीम से सम्मानित हो चुकी है। वहीं नागपुर में आयोजित फ्लोरबॉल में हरियाणा की टीम से खेलते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया था। इसी तरह देहरादून में आयोजित 14 वें नेशनल फ्लोर बाल में वाइस कैप्टन टीम चुनी गई। सुश्री सांईका शहर में आयोजित फर्स्ट हॉकी इंडिया जूनियर वूमन वेस्ट गेम में चैम्पियनशिप खेल चुकी है। सुश्री सांईका राजनांदगांव में फ्लोर बॉल की कैप्टन रह चुकी हैं। यही नहीं उन्होंने जशपुर में सन 2019 में आयोजित प्रादेशिक स्कूल गेम हॉकी में प्रथम स्थान व बिलासपुर में आयोजित सन 20-22 में वह स्टेट लेवल स्कूल गेम में थर्ड स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा स्कूली खेलों में अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ एवं बेहतर प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

संजय श्रीवास्तव बने प्रदेश भाजपा महामंत्री, 12 कार्यसमिति सदस्य नियुक्त

रायपुर। भाजपा लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी में जुट गई है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने प्रदेश पदाधिकारियों और प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की नियुक्ति की है। प्रदेश पदाधिकारियों में 8 और प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों में कुल 12 लोगों की नियुक्ति की गई है। इसमें भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। रामजी भारती, जगदीश रोहरा और भरतलाल वर्मा भी प्रदेश महामंत्री बनाए गए हैं। राजा पांडेय को सरगुजा प्रभारी, अनुराग सिंहदेव को बिलासपुर प्रभारी, रजनीश सिंह को बस्तर प्रभारी बनाए गए हैं। विकास महतो को प्रदेश मंत्री की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा कई नए चेहरे को भी मौका दिया गया है। इसके साथ ही प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों में ब्रजेश बिचपुरिया, कृष्णकांत पवार, राशि पवार, प्रभा दुबे, संजू नारायण, गुरु बालदास साहेब, राजीव पांडेय, आरपीएस त्यागी, डॉ. राधेश्याम बारले, एसडी बड़गैयां, ओमप्रकाश देवांगन और राहुल टिकरिहा शामिल हैं।

आईपीएस राहुल भगत बनाए गए सीएम विष्णु देव साय के सचिव, आदेश जारी

रायपुर। भारतीय पुलिस सेवा के राहुल भगत को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सचिव नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि, 2005 बैच के आईपीएस राहुल भगत राजनांदगांव रेंज के आईजी पद पर हैं। बताया जा रहा है कि, वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। बता दें कि, आमतौर पर डायरेक्टर पद पर आईएएस की नियुक्ति होती है। मगर राहुल के काम की वजह से उन्हें इस डायरेक्टर की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस या जांच एजेंसी के दीगर इस तरह का पोस्टिंग पाने वाले राहुल छत्तीसगढ़ के पहले आईपीएस होंगे। राहुल साफ सुथरी छवि के निर्विवाद अफसर हैं।

रायपुर के सबसे स्वच्छ कॉलोनी को मिलेगा ग्रीन क्लीन अवॉर्ड

रायपुर। रायपुर नगर निगम की ओर से कॉलोनियों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था पाए जाने पर कॉलोनी को इस बार क्लीन-ग्रीन अवार्ड से नवाजा जाएगा। इसके लिए नगर निगम की वेबसाइट पर पंजीयन करना होगा। यह पहल रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर की जा रही है, जिसमें रायपुर की आवासीय कॉलोनियों की त्रैमासिक स्वच्छता रैंकिंग और क्लीन ग्रीन अवार्ड के लिए 6 फरवरी तक नगर निगम की वेबसाइट पर जाकर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। 6 फरवरी तक गूगल लिंक में बिल्डर या वेलफेयर सोसाइटी को जानकारी देना पड़ेगा। इसके बाद कॉलोनी की जांच और रैंकिंग की जाएगी। कॉलोनियों की बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था पाए जाने पर कॉलोनी को क्लीन-ग्रीन अवार्ड से भी नवाजा जाएगा। इसके लिए नगर निगम की वेबसाइट https://nagarnigamraipur.nic.in के Clean Green Award -24 विंडो पर उपलब्ध गूगल शीट पर फोटो सहित पूरी जानकारी देना पड़ेगा। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 83196-67095 पर संपर्क कर सकते हैं।

शादी समारोह से लौट रही बस अनियंत्रित होकर पलटी, चार लोग घायल

भाटापारा। बालौदा बाजार मार्ग पर सकरी गांव के पास शुक्रवार रात भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तकीनीकी खराबी आने के एक कारण एक बस पलट गई। बस में लगभग 50 लोग सवार थे। सभी भद्रापाली चौथीया गांव से शादी कार्यक्रम से लौट रहे थे। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। वहीं, अन्य घायलों का बालौदा बाजार जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

गन्ने के खेत में लगी आग, 40 एकड़ से ज्यादा में लगी फसल बर्बाद

कवर्धा। पोंडी चौकी अंतर्गत नेउरगांव पोंडीखार में 40 एकड़ से ज्यादा में लगी गन्ने की फसल में भीषण आग लग गई है। मौके पर दमकल की टीम आग बुझाने की मशक्कत कर रही है। वहीं शॉर्ट सर्किट के चलते फसल में आग लगना बताया जा रहा है। आग लगने से किसानों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। दमकल की टीम और ग्रामीण आग पर काबू पाने पर जुटी हुई है।

अग्निवीर भर्ती में शामिल होने वाले युवाओं को सुनहरा अवसर

रायपुर। राजधानी रायपुर के युवाओं के लिए जिला प्रशासन सुनहरा अवसर लाया है। ऐसे युवा जो अग्निवीर वायु और थल सेना में भर्ती होना चाहते हैं, उन्हें फ्री में ट्रेनिंग दिया जाएगा। इसके लिए उम्मीदवारों को 21 साल के बीच होना चाहिए। फ्री ट्रेनिंग के लिए विभाग की ओर से लिंक दिया गया है, जिसमें 21 मार्च तक कर सकते हैं। भारतीय सैन्य बलों में वायु और थल सेना में अग्निवीर के पदों पर भर्ती के लिए रायपुर जिला प्रशासन ने युवाओं को निशुल्क प्रशिक्षण आयोजित की है। इसके लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई और किसी भी डिप्लोमा कोर्स में उत्तीर्ण होना चाहिए। ऐसे आवेदक जिनकी आयु 31 अक्टूबर 2024 की स्थिति में 17 साल 6 माह से 21 साल के बीच होना चाहिए। आवेदक अपना आवेदन रोजगार कार्यालय रायपुर में अपनी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड के साथ कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा : आठ को रायगढ़ से होगी शुरुआत

सचिन बोले- जनता को न्याय दिलाने का है उद्देश्य, केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही भाजपा

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने शनिवार को अंबिकापुर कांग्रेस भवन में पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान पायलट ने कहा कि छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत आठ फरवरी को रायगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्र से होगी। अंबिकापुर में यह न्याय यात्रा 13 फरवरी को पहुंचेगी। अंबिकापुर में विशाल जनसभा व रैली का आयोजन होगा।

सचिन पायलट ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा को काफी समर्थन मिल रहा है। इसमें लाखों युवा व आम लोग शामिल हो रहे हैं। रायगढ़ में राहुल गांधी का स्वागत हजारों किसान व नौजवान करेंगे। इसके बाद यहां भी रोड शो होगा। कुछ जगह वह वाहन से पहुंचेंगे और कई जगह वह पैदल रैली में शामिल होंगे। रायगढ़ व अंबिकापुर में न्याय यात्रा का रोड मैप बनाया जा रहा है। शीघ्र ही लोगों के सामने आ जाएगा कि यात्रा कहां-कहां से और कब-कब गुजरेगी। उन्होंने कहा कि यात्रा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है और कार्यकर्ता यात्रा की तैयारी को लेकर काफी उत्सुकता के साथ जुटे हुए हैं।

पायलट ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य लोगों को न्याय दिलाना है। हम जनता की आवाज बनकर सामने आएंगे और मजबूत विपक्ष के रूप में काम करके जनता की आवाज बनेंगे। पायलट ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सिर्फ चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए काम कर रही है। आम लोगों से उनका कोई लेना-देना नहीं है, जो भाजपा के खिलाफ बोलते हैं सरकार उनके खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों को उनके पीछे लगा देती है और उन्हें परेशान करवाती है

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के घर आईटी की रेड को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि जो भाजपा का विरोध करते हैं। सरकार उनके घर में रेड डलवाती है और उसका मुंह बंद करने का प्रयास करती है। भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों का भरपूर दुरुपयोग कर रही है। जनता सब देख रही है, इन्हें माफ नहीं करेगी। राजस्थान में सचिन पायलट एवं छत्तीसगढ़ में टीएस सिंह देव को मुख्यमंत्री नहीं बनाने एवं उसके बाद विधानसभा चुनाव में दोनों राज्यों में हार के प्रश्न पर पायलट ने कहा कि कोई भी एक व्यक्ति के चलते चुनाव हार या जीत नहीं सकता। यह कहना गलत होगा कि हमें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो चुनाव हार गए।

शिव डहरिया को भगाओ सरगुजा बचाव के लगे नारे

सचिन पायलट के अंबिकापुर आगमन के समय हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। उनके साथ पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया भी मौजूद थे। सचिन पायलट के साथ पूर्व मंत्री शिव डहरिया जैसे ही राजीव भवन के अंदर न्याय यात्रा की बैठक लेने जाने वाले ही थे, उससे पहले अंबिकापुर के कुछ कांग्रेसी कार्यकर्ता ने ही राजीव भवन के बाहर सचिन पायलट के सामने ही शिव डहरिया को भगाओ सरगुजा बचाव के नारे लगाने लगे। इसके चलते माहौल काफी गर्म हो गया। बाद में सचिन पायलट ने शांत होने का इशारा किया व अन्य कांग्रेस के जन प्रतिनिधियों ने समझाइश दी। इसके बाद नारेबाजी बंद हुई। वहीं, इस नारेबाजी की पूरे सरगुजा में काफी चर्चा हो रही है।

10 साल में मोदी सरकार ने सिर्फ प्रचार और प्रोपेगेंडा की राजनीति की : पायलट

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी और कांग्रेस नेता सचिन पायलट इन दिनों छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। राहुल गांधी की न्याय यात्रा के छत्तीसगढ़ पहुंचने की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कोरबा पहुंचे। पायलट टीपी नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में पहुंचे और कांग्रेस पदाधिकारियों से बात की। पायलट को रात 8 बजे कोरबा पहुंचना था, लेकिन वह काफी देर से लगभग 10:30 बजे कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। सिर्फ 5 मिनट के लिए ही कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। राहुल गांधी की न्याय यात्रा 8 फरवरी को छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी। 12 फरवरी को यात्रा कोरबा पहुंच सकती है। इसी की तैयारी के सिलसिले में पायलट कोरबा पहुंचे। पायलट ने कहा राहुल गांधी मजदूर, युवा और महिलाओं के साथ ही दलित और शोषितों की आवाज बनकर सामने आए हैं। मणिपुर जैसा राज्य जहां सरकार की स्थिति हिंसा की वजह से लगभग खत्म हो चुकी है, वहां से राहुल गांधी ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। राहुल गांधी की यात्रा को अपार जनसमर्थन मिल रहा है, जिससे बीजेपी घबराई हुई है। पिछले 10 सालों में बीजेपी ने सिर्फ प्रचार और प्रोपेगेंडा किया है। धर्म की आड़ में राजनीति की है लेकिन बेरोजगारी, महंगाई के मुद्दे पर बात नहीं होती। झारखंड में सीएम के गिरफ्तारी के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा केंद्र सरकार प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है। प्रजातंत्र में हार जीत होती रहती है। लेकिन ईडी द्वारा 95 मामले सिर्फ विपक्षी नेताओं पर दर्ज किए जाते हैं। कहीं ना कहीं या तो विपक्षी नेताओं को डराया जा रहा है या फिर उन्हें प्रलोभन दिया जा रहा है। विपक्ष के नेताओं का चरित्र हनन करने की कोशिश की जा रही है। खुलेआम लोकतंत्र खत्म करने की कोशिश हो रही है। निर्वाचन अधिकारी खुद वोट खराब करने का काम कर रहे हैं। ऐसे में सब साथ आएं और मिलजुल कर भाजपा के लिए चुनौती पेश करें।

लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा

मुख्यमंत्री, विस अध्यक्ष के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आडवाणी को दी बधाई

रायपुर। लालकृष्ण आडवाणी को देश का सर्वोच्च पुरस्कार 'भारत रत्न' प्रदान किए जाने घोषणा के साथ बधाई और शुभकामनाएं देने का क्रम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा कि भारतीय राजनीति के दैदीप्यमान नक्षत्र, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा से मन अत्यंत प्रसन्न है। राजनैतिक क्षेत्र में आपकी गंभीरता एवं दूरदृष्टि से कई विकासपरक कार्य संपादित हुए हैं। सामाजिक क्षेत्रों में आपका योगदान अतुलनीय है।

डॉ. रमन सिंह ने एक्स में किए अपने पोस्ट में कहा कि भारत की अस्मिता और भारतीय चेतना को जागृत करने में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले महान व्यक्तित्व और हम सभी के आदर्श लाल कृष्ण आडवानी को राष्ट्र के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा स्वागत योग्य है। उनके कार्य और विचार हम सभी को राष्ट्रसेवा हेतु प्रेरित करते हैं, माँ भारती के समर्पित सपूत आडवानी इस सम्मान के सच्चे अधिकारी हैं।

वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने भी लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न मिलने पर बधाई दी है। उन्होंने पार्टी को खड़ा करने में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि भारत रत्न मिलने पर छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश मे खुशी का माहौल है। देश को ऊंचाई तक ले जाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है।

कांग्रेस सांसद के दक्षिण भारत को अलग राष्ट्र बनाने की मांग पर भाजपा ने जताई आपत्ति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सिंहदेव ने कहा- राहुल गांधी की 'भारत तोड़ो यात्रा' का असर

रायपुर। कर्नाटक से कांग्रेस सांसद डीके सुरेश के दक्षिण भारत को अलग देश बनाने की मांग पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। किरण सिंहदेव ने कहा कि अब पता चला कि आज सिद्ध हो गया कि राहुल गांधी भारत तोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। ये उनकी तथाकथित भारत तोड़ो यात्रा का ही असर है कि कांग्रेस के सांसद दक्षिण भारत को देश से तोड़कर एक अलग राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं।

बता दें कि कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई और बेंगलुरु (ग्रामीण) से लोकसभा सांसद डीके सुरेश ने केंद्रीय बजट पेश होने के बाद अपने बयान में कहा था कि हमें अपने राज्य से जीएसटी, सीमा शुल्क और प्रत्यक्ष करों में हिस्सा मिलना चाहिए। हम दक्षिण भारत के साथ बहुत अन्याय देख रहे हैं, हम अपने हिस्से का पैसा उत्तर भारत में बंटते हुए देख रहे हैं। अगर आज हम इसकी निंदा नहीं करेंगे तो आने वाले दिनों में हमें दक्षिण भारत के लिए एक अलग देश बनाने का प्रस्ताव रखना पड़ेगा।

सिंहदेव ने कहा कांग्रेस सांसद के इस दुर्भाग्यपूर्ण बयान की भाजपा कड़ी निंदा करती है, और तुरंत ऐसी मानसिकता वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। क्या डीके सुरेश के देश को तोड़ने वाले बयान की सोनिया गाँधी, राहुल गाँधी, प्रियंका वाड्रा निंदा करेंगे? क्या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपने सांसद डीके सुरेश को इस अक्षम्य अपराध के लिए पार्टी से निष्कासित करने का साहस दिखाएंगे?

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा देश को तोड़ने की मांग कांग्रेस के सांसद ने ऐसे ही नहीं की है। अभी तक न तो सोनिया गाँधी, न राहुल गाँधी, न प्रियंका वाड्रा और न ही कांग्रेस के महासचिव का इस पर बयान आया है। लगता है कि वे डीके सुरेश के इस बयान से सहमत हैं। कांग्रेस हमेशा से देश को जाति, धर्म और क्षेत्र को आपस में लड़ाकर सत्ता की राजनीति करती आई है। कांग्रेस हमेशा से उत्तर भारत और दक्षिण भारत के बीच जनता को भड़का कर अपनी राजनीति करती आई है।

किरण सिंहदेव ने कहा कि हाल ही में तेलंगाना में कांग्रेस के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के डीएनए को बिहार-यूपी यानी उत्तर भारत के डीएनए से बेहतर बताया था। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने सनातन का अपमान किया।

सिंहदेव ने कहा आंकड़े गवाह हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने केंद्र की सोनिया-मनमोहन की कांग्रेस सरकार की तुलना में सभी राज्यों के शेयर में भारी वृद्धि की है। कर्नाटक में तो ■रु और बोईंग की फैसिलिटी भी लगाई गई है। हमारे लिए राष्ट्र पहले है, पार्टी और सत्ता बाद में, लेकिन कांग्रेस के लिए सत्ता पहले है चाहे देश को भी क्यों न तोडना पड़े।

मंत्री ने किया प्रयास आवासीय कन्या विद्यालय का निरक्षण, कहा-

जल्द बनेगा नवीन कंप्यूटर लैब : रामविचार

रायपुर। मंत्री रामविचार नेताम ने राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित प्रयास आवासीय कन्या विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने आवासीय विद्यालय के एक-एक कक्ष का अवलोकन किया। इस दौरान आवासीय विद्यालय के भोजन कक्ष का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों के लिए तैयार भोजन को चखकर गुणवत्ता का परीक्षण किया और भोजन व्यवस्था में आवश्यक सुधार के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान मंत्री नेताम ने बच्चों की कम्प्यूटर लैब की मांग पर तत्काल नवीन कम्प्यूटर लैब की स्वीकृति प्रदान की।

मंत्री नेताम ने बच्चों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए शीघ्र ही खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने इस मौके पर आवासीय विद्यालय परिसर में बॉस्केट बॉल कोर्ट बनाने की स्वीकृति भी प्रदान की। इसके अलावा विद्यार्थियों में सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ाव के लिए विद्यालय में जल्द ही संगीत-उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान चर्चा में अधिकारियों ने बताया कि प्रयास आवासीय कन्या विद्यालय रायपुर में पिछली सरकार ने अल्पसंख्यक और सामान्य वर्ग के लिए 10-10 सीट आरक्षित किए गए हैं, जो हर वर्ष खाली रह जाता है। इस पर कहा कि सीट खाली नहीं जानी चाहिए, यदि इन वर्गों के विद्यार्थी नहीं मिलते हैं, तो जरूरतमंद अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को चक्रिय और मेरिट क्रम में एडमिशन दिया जाए।

युवा कांग्रेस ने निकाली रोजगार दो-न्याय दो मशाल यात्रा

रायपुर। राष्ट्रव्यापी आंदोलन रोजगार दो, न्याय दो के तहत छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस ने रायपुर में मशाल यात्रा निकाली। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ युकां ने जमकर नारेबाजी की। छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस प्रभारी डॉ पलक वर्मा और प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में मशाल यात्रा निकाली गई। रायपुर के सप्रे मैदान से राजीव गांधी चौक तक यह यात्रा निकाली गई थी। इसमें युवा कांग्रेस के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष आकाश शर्मा, प्रदेश प्रभारी पलक वर्मा, रायपुर शहर जिला प्रभारी आदिल खैरानी, सह प्रभारी अभिलाषा पोयम, दीक्षा पांडेय, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष विनोद कश्यप, प्रदेश सचिव शानू रज्जा, प्रदेश सचिव रुचिर दूबे, प्रदेश सचिव अभिषेक कसार, जिला सचिव विनोद यादव, विनय तिवारी, महासचिव सैफ शाह, महासचिव रमीज रज्जा, महासचिव अनिल सेन, विधानसभा समन्वयक राजिक खान, प्रवाह नासरे, ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र जलक्षत्री, आवेश खान, भास्कर दुबे, शेखर शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विष्णु गुप्ता, उपाध्यक्ष अभिषेक पांडेय, वार्ड अध्यक्ष अविरल त्रिपाठी, आलोक सोनी, अमीन खान, प्रतीक वाघ समेत कार्यकर्ता शामिल रहे।

अमरजीत भगत पर कसता जा रहा आईटी का शिकंजा

■ हर सस्पेक्ट की हो रही जांच

सरगुजा। पूर्व की कांग्रेस सरकार के ताकतवर मंत्री जो सरगुजा की सीतापुर सीट से 4 बार विधायक रहे, सत्ता आने पर मंत्री बनाये गये, सरकार में कद इतना बढ़ा कि सरगुजा के मुख्यमंत्री वही माने जाते रहे। अचानक ही इनके ठिकानों पर आईटी की रेड पड़ी। आईटी ने ऐसा शिकंजा कसा है कि 4 दिन से जांच चल रही है। लगातार अलग ठिकानों सहित करीबियों के घर छापे और उन्हें हिरासत में लेने का क्रम जारी है।

पहला दिन = 31 जनवरी की सुबह सुबह आईटी की टीम ने छत्तीसगढ़ में कई अलग अलग स्थानों पर छापेमारी की। इसमे सबसे अहम छापा था पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के रायपुर और अंबिकापुर के ठिकानों पर। इसके बाद इसी दिन इनके करीबी व्यवसायी हरपाल सिंह अरोरा को आईटी ने पकड़ा, अमरजीत भगत के पूर्व निज सचिव फ्रेंकलिन टोप्पो, राजेश वर्मा और एसआई रूपेश नारंग के घर भी छापे पड़े। करवाई देर रात तक चलती रही।

दूसरा दिन = 1 फरवरी आईटी की टीम ने पूर्व निज सचिव फ्रेंकलिन टोप्पो को देर रात हिरासत में लिया और अमरजीत भगत के अंबिकापुर निवास पर ले आई। एसआई रूपेश नारंग को भी रायपुर में पकड़ा गया। अमरजीत के करीबी इंजीनियर प्रमोद टोप्पो को अंबिकापुर से पकड़ा गया। इस बीच प्रदेश में जहां जहां भी छापे पड़े वहां जांच जारी रही।

तीसरा दिन = 2 फरवरी पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के सीएएचएस जायसवाल से इनकम से सबंधी समस्त दस्तावे आईटी की टीम ने लिये। करीबी नेता मैनपाट निवासी और पूर्व गौ सेवा आयोग के सदस्य अटल यादव के घर पर आईटी ने दबिश दी। अंबिकापुर के लकड़ी मील कारोबारी राजीव अग्रवाल के ठिकानों पर आईटी ने जांच शुरू की। मैनपाट में रहने वाले अमरजीत भगत के करीबी नागेश्वर यादव जिला कांग्रेस महामंत्री, गणेश यादव पूर्व विधायक प्रतिनिधि के घर पर भी आईटी जांच कर रही है। एक अन्य करीबी युवा नेता मनोज यादव को आईटी अधिकारियों का फोन गया है की वो अपनी लोकेशन बताएं। आज चौथे दिन भी भगत के जुड़े लोगों के नए ठिकानों पर छापेमारी जारी है।

Office Of The Principal Government Polytechnic Bhatapara (C.G.)
कार्यालय प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक, भाटापारा (छ.ग.)
Main Road Deori, District Balodabazar-Bhatapara 493118 (C.G.)
मेन रोड देवरी, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा 493118 (छ.ग.) दूरभाष कमांक 07726-299021

क्रमांक / शा.पॉ.भा./ भवन / सुरक्षा/2024/ 1094 भाटापारा, दिनांक 01/02/24

// सुरक्षा गार्ड हेतु निविदा//

शासकीय पॉलीटेक्निक भाटापारा (छ.ग.) में सुरक्षा गार्ड हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सुरक्षा एजेंसी शासन द्वारा पंजीकृत हो व पुलिस हेडक्वार्टर से पंजीकृत होना अनिवार्य है तथा राज्य शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रक्रिया पूर्ण करते हो।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय या संस्था की वेबसाइट www.gpbhatapara.ac.in से डाउनलोड करके भी प्राप्त किया जा सकता है, निविदा प्रपत्र हेतु शुल्क निर्धारित राशि 500/- (रुपये पांच सौ) मात्र का भुगतान पृथक डी.डी. द्वारा (Technical Bid के लिफाफे में रखकर) करना होगा।

निविदा दस्तावेज की उपलब्धता तिथि-	03/02/2024
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि-	26/02/2024 समय 12.00 pm
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि-	26/02/2024 समय 01.00 pm
निविदा खोलने की तिथि-	26/02/2024 समय 03.00 pm

विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

प्राचार्य
शास. पालीटेक्निक भाटापारा (छ.ग.)
जी- 07492/3

अहलान मोदी इवेंट में भाग लेने जनता में होड़

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनातन भारत को ही सिर्फ भव्य, दिव्य और नव्य राम मंदिर नहीं दिया है बल्कि अब वह मुस्लिम देश संयुक्त अरब अमीरात में भी भव्य हिंदू मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। जी हाँ, हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करने और एक हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए 13-14 फरवरी को यूएई की यात्रा पर रहेंगे। प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर मुस्लिम देश यूएई में खासा जोश देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम की बात करें तो आपको बता दें कि वह 13 फरवरी को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में भारतीय समुदाय शिखर सम्मेलन 'अहलान मोदी' (हेलो मोदी) को संबोधित करेंगे और 14 फरवरी को यूएई की राजधानी अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। 'अहलान मोदी' कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है। हम आपको याद दिला दें कि ऐसा ही कार्यक्रम 22 सितंबर, 2019 को अमेरिका के टेक्सास में ह्यूस्टन में हुआ था जब प्रधानमंत्री मोदी ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाउडी मोदी नामक एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित किया था। अहलान मोदी कार्यक्रम में भाग लेने की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए एक पंजीकरण पोर्टल स्थापित किया गया है और प्रतिभागियों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने के लिए हर जगह से परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। बताया जा रहा है कि यूएई में रहने वाले भारतीय समुदाय के अलावा स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पंजीकरण करवा रहे हैं। लोगों की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए स्टेडियम के आसपास बड़ी स्क्रीनें भी लगाई जाएंगी ताकि सभी लोग प्रधानमंत्री को सुन सकें। बताया जा रहा है कि यह कार्यक्रम यूएई में 150 भारतीय सामुदायिक संगठनों द्वारा मिलकर आयोजित किया जा रहा है। समारोह को शानदार बनाने के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखा गया है जिसमें 400 स्थानीय प्रतिभाएं शामिल होंगी। जहां तक अबू धाबी में बने बीएपीएस हिंदू मंदिर की बात है तो आपको बता दें कि पिछले तीन वर्षों के दौरान, राजस्थान और गुजरात के 2,000 से अधिक कारीगरों ने मंदिर के लिए सफेद संगमरमर के 402 स्तंभों को तराशा है। मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे। अबू धाबी के बाहरी इलाके में एक पहाड़ी की चोटी पर स्थापित यह मंदिर यकीनन एक आकर्षक आध्यात्मिक स्थल बनेगा। हम आपको बता दें कि मंदिर के उद्घाटन से पहले इसकी स्थापत्य कला की एक झलक पाने के लिए 42 देशों के राजदूतों के लिए पूर्वावलोकन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी राजदूत मंदिर को देखकर हैरान रह गये और सनातन संस्कृति की जी भरकर सराहना करते रहे। जहां तक मंदिर की भव्यता की बात है तो आपको बता दें कि यह विश्व के दिव्यतम और भव्यतम मंदिरों में से एक है। अबू धाबी के पहले पारम्परिक हिंदू मंदिर में हाथ से नक्काशीदार मूर्तियों को जब आप देखेंगे तो देखते ही रह जाएंगे। इस मंदिर में उत्कृष्ट वास्तुकला का खजाना है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान द्वारा दान की गई 27 एकड़ भूमि पर बना यह भव्य मंदिर वहां के आपसी सौहार्द्र को भी प्रदर्शित करता है। बताया जा रहा है कि यह पूजा स्थल 18 फरवरी से जनता के लिए खुलेगा। इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां न केवल हिंदू धर्म बल्कि विभिन्न धर्मों और सभ्यताओं का भी प्रतिनिधित्व किया गया है। भारत के कुशल कारीगरों द्वारा निर्मित, गुलाबी बलुआ पत्थर की संरचना देखते ही बनती है। इस ऐतिहासिक मंदिर को आप जिस कोने से भी देखेंगे वहीं से इसकी भव्यता देखते बनेगी। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद पहली चीज़ जो ध्यान देने योग्य है, वह सभी सात अमीरातों की रेत से बनाई गई प्रभावशाली टीला संरचना है। इसे बीएपीएस संस्था के दिवंगत आध्यात्मिक प्रमुख स्वामी महाराज को श्रद्धांजलि के रूप में स्थापित किया गया है, जिन्होंने 1997 में शारजाह के रेगिस्तान के बीच में रहते हुए अबू धाबी में एक मंदिर बनाने की कामना की थी।

पराजयवादी मानसिकता की शिकार कांग्रेस?

समीर चौगांवकर

देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के चुनाव लड़ने के तौर तरीकों में जमीन आसमान का फर्क हो गया है। 2014 और 2019 की तरह ही 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारियों में भी यह फर्क साफ दिख रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में 303 सीटों के प्रचंड बहुमत से सत्ता में लगातार दूसरी बार काबिज हुए मोदी 2024 में 400 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। मोदी लोकप्रियता के जिस शिखर पर लगातार बने हुए है और विपक्षी गठबंधन जिस तरह से तार तार हो चुका है ऐसे में 400 सीटों का आंकड़ा असंभव जरूर लगे लेकिन 350 सीटों पर भाजपा का पहुंचना संभव लग रहा है। 2014 में 42 और 2019 में 52 सीटों पर सिमटी कांग्रेस ने पिछले पांच साल में ऐसा कुछ नहीं किया कि जिससे यह कहा जा सके कि कांग्रेस मोदी को बहुमत से दूर रखने मे कामयाब रहेगी और खुद भी दहाई के आंकड़े को पार कर पायेगी।

अभी भी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार का घाव ताजा है। मोदी को चुनौती देने के लिए बना विपक्ष का इंडिया गठबंधन अंतिम सांसे ले रहा है। दशक भर से देश भर में पिटी हारी कांग्रेस 60 दिन के भीतर होने वाले आम चुनाव में आत्मसंतुष्ट भाव या पराजयवादी मानसिकता के साथ उतरती दिख रही है। जब राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन को मजबूत करने और सीट शेअरिंग को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में रूकना था वह अपनी न्याय यात्रा पर निकल गए। इंडिया गठबंधन की इस दुर्दशा के लिए कांग्रेस ही जिम्मेदार है। नीतीश को संयोजक नहीं बनाया, वह निकल गए। ममता को लगा कि कांग्रेस बंगाल में उनसे ज्यादा तवज्जो वामदलों को दे रही है तो ममता ने भी अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। यूपी में कांग्रेस मायावती को साथ लेने के लिए मना नहीं सकी और मायावती ने इंडिया गठबंधन से दूरी बना ली। मायावती के अलग लड़ने के निर्णय ने सबसे ज्यादा सांसद देने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में भाजपा की राह आसान कर दी है।

नीतीश कुमार ने कांग्रेस के नेतृत्व में जिस विपक्षी एकता का ताना बाना 23 जून 2022 को पटना में बुना था, कांग्रेस की उदासी और लापरवाही के चलते खुद नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के साथ सरकार बना कर उस इंडिया गठबंधन को तार-तार कर दिया जिसके शिल्पकार वह खुद थे। ऐसे में कांग्रेस की बैसाखी के सहारे खड़े होने वाले उसके सहयोगी दल अब कांग्रेस को एक एसेट की बजाय एक लाइबिलिटी के रूप में देख रहे है। राजनीति में जोश और रफ्तार की अहमियत से इंकार नहीं किया जा सकता और भाजपा मोदी के नेतृत्व में जोश और रफ्तार से 2024 के चुनाव में जीत की रणनीति बनाने और उसे अमलीजामा पहनाने में जुट गई है। मोदी के लिए लगातार तीसरा कार्यकाल पहले से ज्यादा आसान और संभव दिख रहा है जो नेहरू के बाद भारत में किसी को नहीं मिला। भाजपा ने जोश और खुशी से लबालब असर पैदा करने और तमाम पुर्जो को जोड़कर विशाल शक्ति पैदा करने के लिए बहुत छोटे-छोटे ब्यौरों को साधने और संजोने में महारत हासिल कर ली है। वहीं कांग्रेस 2019 की तरह चुनाव की पूर्व संध्या पर उदास और लटका चेहरा लिए दिख रही है। कांग्रेस न खुद मोदी को चुनौती देने के लिए अपने दम पर खड़ी हो सकी और न ही गठबंधन को एक रख सकी।

प्रधानमंत्री मोदी की विकसित भारत यात्रा की गाड़ी देश के सफर में निकल चुकी है और मोदी खुद लोगों से संवाद कर रहे हैं। भाजपा का विशाल संगठन मोदी की विकसित भारत की यात्रा को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए दिन रात एक कर रहा है, वहीं राहुल की दूसरी भारत जोड़ो यात्रा न किसी तरह का उत्साह कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जगा रही है और न जनता में उनके नेतृत्व को लेकर कोई उम्मीद की किरण नजर आ रही है। अब कांग्रेस के समर्थक भी इस ग्रैंड ओल्ड पार्टी के भविष्य को लेकर चिंतित है। जिस तरह कांग्रेस खराब तैयारी के साथ लड़खड़ाती हुई चुनावी राजनीति मे उतरती है और गुटीय झगड़ों को काबू में नहीं रख पाती और सबसे अहम यह कि वह जनता की नब्ज नहीं पकड़ पाती, उससे उसका अपना कैडर ही बुझा हुआ है। राहुल गांधी की न्याय यात्रा ने कांग्रेस की सांगठनिक कमजोरी को भी सामने ला दिया है। राहुल की न्याय यात्रा से मिली गतिशीलता को कायम रखने के लिए कांग्रेस के पास ऐसा संगठन ही नहीं बचा है कि वह उसे चुनाव के लिए तैयार मशीन बना सके और भाजपा को चुनौती दे सके।

ऐसे में मोदी जब राम के रथ पर सवार होकर चुनाव प्रचार अभियान में निकलेंगे तो विपक्ष के लिए मोदी को रोकना लगभग असंभव होगा। मोदी के काम के साथ राम का नाम भी चुनाव प्रचार में एक प्रमुख अस्त्र बनने वाला है। लेकिन कांग्रेस अभी तक इस बात को ही नहीं समझ सकी है कि मोदी और शाह ने राष्ट्रीय स्तर के चुनावी मुकाबलों को संस्कृति (धर्म), पहचान (राष्ट्रवाद), सुरक्षा और विकास के साथ साथ मोदी की चार जातियों महिला, युवा, किसान और गरीब पर केन्द्रित कर दिया है। इनमें से हरेक मुद्दे पर कांग्रेस अचेत नजर आती है। कांग्रेस यह समझने में पूरी तरह नाकाम रही कि किसी लोकप्रिय नेता और ताकतवर सरकार को सिर्फ उसके खिलाफ केवल प्रतिक्रियाएं करके और बिना कोई वैकल्पिक नजरिया पेश किए हराया नहीं जा सकता। कांग्रेस को समझ में नहीं आ रहा है कि वह धर्मनिरपेक्षता को किस तरह परिभाषित करे।

कांग्रेस जिस विचारधारा की राजनीति की बात कर रही है क्या वह विचारधारा आज की चुनावी परिस्थिति के अनुकूल है? कांग्रेस की इसी दुविधा और भ्रम ने उसे 1984 में 414 सीटों से 2014 में 44 सीटों के ऐतिहासिक रसातल पर पहुंचा दिया था। अभी भी वह मात्र 52 सीटों के साथ लोकसभा में उपस्थित है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के पास बहुत समय नहीं बचा है। मोदी को कैसे रोकना है इस पर विचार करने की बजाय विपक्षी दलों का गठबंधन एक दूसरे को अपने राज्य में आने से रोकने की तिकड़म भिड़ाने में लगा हुआ है। ऐसे में मोदी की राह विपक्ष खुद आसान कर रहा है।

मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का 50 प्रतिशत वोट और 400 सीटों का लक्ष्य भाजपा की ताकत से ज्यादा विपक्ष की कमजोरी पर निर्भर है। विपक्ष खुद मोदी को उस लक्ष्य की और ले जाने मे मदद कर रहा है जो भारतीय राजनीति में अभी तक किसी को नहीं मिला। ऐसे में कांग्रेस सहित विपक्ष के सामने सवाल सिर्फ यह रह गया है कि वह भाजपा को 303 पर रोक पाती है या भाजपा राजीव गांधी के 414 के आंकड़े को भी पार कर जाएगी? संसद में खड़े होकर मल्लिकार्जुन खरगे ने भले ही व्यंग में मोदी के 400 पार वाले जुमले का जिक्र किया हो लेकिन इतना तो तय है कि चार सौ पार के नारे का तोड़ उनके पास भी नहीं है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-9)

गतांक से आगे...

श्रीशुकदेव जी ने जिज्ञासा भाव से कहा- हे गुरुवर! कृपया मुझे यह बताने की कृपा करें कि यह सांसारिक प्रपञ्च कैसे प्रादुर्भूत हुआ है तथा किस तरह से विलय को प्राप्त होता है? तब महान् ज्ञानी राजा जनक ने श्रीशुकदेव जी को सभी बातें तत्त्वतः बतला दी, इन्हीं बातों को उनके परम ज्ञानवान् पिता श्रीव्यास जी पहले ही बता चुके थे। इस पर श्रीशुकदेव जी ने कहा- हे गुरुश्रेष्ठ ! हमने स्वयं ही इसकी विशेष रूप से जानकारी प्राप्त की थी, पूछने पर हमारे पिता श्रीव्यास जी ने भी यही बातें बतलायी थी। आपने भी यही बातें हमें बतायी हैं तथा ठीक ऐसा ही शास्त्रों का भी मत है। मन के विकल्प से ही प्रपञ्च की उत्पत्ति होती है और उस विकल्प के विनष्ट हो जाने पर इस (प्रपञ्च) का भी विनाश हो जाता है। यह जगत् निन्दनीय एवं सार-रहित है, ऐसा निश्चित है, तब हे महान् ज्ञानी राजन् ! यह सब (जीवन आदि) क्या है? कृपा करके मुझे यथार्थ रूप से समझाने की कृपा करें। मेरा यह चित्त जगत् के विषय में दिग्भ्रान्त हो रहा है, अतः आपके सदुपदेश से ही शान्ति मिल सकती है।

इसके पश्चात् राजा जनक ने कहा- हे शुकदेव जी! अब मैं आपके प्रति सम्पूर्ण ज्ञान को विस्तारपूर्वक कहता हूँ- सुनो, यह ज्ञान समस्त ज्ञानों का सार एवं सभी रहस्यों का रहस्य है, अतः इसके जान लेने से वह पुरुष अतिशीघ्र मुक्ति को प्राप्त कर लेता है। विदेहराज ने कहा कि यह दृश्य जगत् है ही नहीं, ऐसा पूर्ण बोध जब हो जाता है, तब दृश्य विषय से मन की शुद्धि हो जाती है। तब यह ज्ञान पूर्ण हो जाता है और तभी उसे निर्वाण रूपी परम शान्ति मिल जाती है। जो वासनाओं का निःशेष परित्याग कर देता है, वही वास्तविक श्रेष्ठ त्याग है, उसी विशुद्धावस्था को ज्ञानीजनों ने मोक्ष कहा है।

क्रमशः ...

पंडित भीमसेन जोशी

शास्त्रीय संगीत गायक पंडित भीमसेन जोशी का जन्म कर्नाटक के गड़ग में 4 फ़रवरी, 1922 ई. को हुआ था। उनके पिता गुरुराज जोशी स्थानीय हाई स्कूल के हेडमास्टर और कन्नड़, अंग्रेज़ी और संस्कृत के विद्वान थे। पंडित भीमसेन जोशी को बचपन से ही संगीत का बहुत शौक था। वह किराना घराने के संस्थापक अब्दुल करीम खान से बहुत प्रभावित थे। 1932 में वह गुरु की तलाश में घर से निकल पड़े। अगले दो वर्षो तक वह बीजापुर, पुणे और ग्वालियर में रहे। उन्होंने ग्वालियर के उस्ताद हाफिज अली खान से भी संगीत की शिक्षा ली। लेकिन अब्दुल करीम खान के शिष्य पंडित रामभाऊ कुंडालकर से उन्होने शास्त्रीय संगीत की शुरूआती शिक्षा ली।

वर्ष 1941 में भीमसेन जोशी ने 19 वर्ष की उम्र में मंच पर अपनी पहली प्रस्तुति दी। उनका पहला एल्बम 20 वर्ष की आयु में निकला, जिसमें कन्नड़ और हिन्दी में कुछ धार्मिक गीत थे। इसके दो वर्ष बाद वह रेडियो कलाकार के तौर पर मुंबई में काम करने लगे। अपने गुरु की याद में उन्होंने वार्षिक सवाई गंधर्व संगीत समारोह प्रारम्भ किया था। पुणे में यह समारोह हर वर्ष दिसंबर में होता है। भीमसेन के पुत्र भी शास्त्रीय गायक एवं संगीतकार हैं।

भीमसेन जोशी को खयाल गायकी का स्कूल कहा जाता है। संगीत के छात्रों को बताया जाता है कि खयाल गायकी में राग की शुद्धता और रागदारी का सबसे सही तरीका सीखना है तो जोशी जी को सुनो। उन्होंने कन्नड़, संस्कृत, हिंदी और मराठी में ढेरों भजन और अभंग भी गाए हैं जो बहुत ही लोकप्रिय हैं। भीमसेन जोशी ने पं. हरिप्रसाद चौरसिया, पं. रविशंकर और बाल मुरली कृष्णा जैसे दिग्गजों के साथ यादगार जुगलबंदियां की हैं। युवा पीढ़ी के गायकों में रामपुर सहसवान घराने के उस्ताद राशिद ख़ान के साथ भी उन्होंने गाया है लेकिन समकालीन शास्त्रीय गायन या वादन जोशी जी का मन नहीं लुभा पाता था। उन पर एक डॉक्यूमेंट्री बनाते हुए गुलज़ार ने पूछा- आजकल के जो गायक हैं उन्हें सुनते हैं तो कैसा लगता है? इस पर जोशी जी का जवाब था- हमने तो बड़े गुलाम अली, उस्ताद अमीर ख़ाँ और गुरुजी को सुना है। वह कान में बसा हुआ है। आज बहुत सारे गाने वाले हैं, समझदार हैं, अच्छी तैयारी भी है, लेकिन उनका गाना दिल को छू नहीं पाता।

भीमसेन जोशी उस संगीत के पक्षधर थे, जिसमें राग की शुद्धता के साथ ही उसको बरतने में भी वह सिद्धि हो कि सुनने वाले की आँखें मुंद जाएं, वह किसी और लोक में पहुंच जाए। भीमसेन जोशी की गायकी स्वयं में इस परिकल्पना की मिसाल है। उन्हें गायकी का भीमसेन में बनाने में उनके दौर का भी बड़ा योगदान है। ये वह दौर था, जब माइक नहीं होते थे, या फिर नहीं के बराबर होते थे। इसलिए गायकी में स्वाभाविक दमखम का होना बहुत ज़रूरी माना जाता था। गायक और पहलवान को बराबरी का दर्जा दिया जाता था। जोशी जी के सामने बड़े गुलाम अली ख़ां, फ़ैयाज़ ख़ाँ, अब्दुल करीम ख़ां और अब्दुल वहीद ख़ां जैसे सीनियर्स थे जो गले के साथ ही शरीर की भी वर्जिश करते थे और गाते वक्त जिन्हें माइक की ज़रूरत ही नहीं होती थी।

पाकिस्तान में चुनाव की दहलीज पर सियासी जमघट

मरिआना बाबर

पिछले एक पखवाड़े में पाकिस्तान में इतना कुछ घटा है कि ज्यादातर खबरों ने दुनिया भर को हैरान कर दिया है। सबसे पहले क्रिकेटर शोएब मलिक के तलाक और निकाह की खबरें आईं और दुनिया भर के लोगों का ध्यान उसकी गरिमामय पत्नी सानिया मिर्जा की तरफ गया। जिस पाकिस्तानी ने भी इस घटना पर टिप्पणी की, सबने सानिया मिर्जा का पक्ष लिया और सबने उसकी और शादी में उसकी निष्ठा की प्रशंसा की। लोगों ने इस बात की भी काफी सराहना की कि वह अब एकल अभिभावक के रूप में अपने दम पर बेटे की परवरिश कर रही है। किसी को भी शोएब मलिक के प्रति सहानुभूति नहीं है, जिसने अब तीसरा निकाह किया है।

फिर पाकिस्तान के लोग तब सदमे और आश्चर्य में पड़ गए, जब एक मित्र पड़ोसी देश ईरान ने बलूचिस्तान प्रांत के पंजगुर में उसके इलाके में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिसमें बच्चों सहित कुछ बेगुनाह लोग मारे गए। ईरान का कहना है कि उस इलाके में ईरान विरोधी सुन्नी आतंकी समूह के शिविर हैं। इस हमले की कुछ पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए राजनीतिक विश्लेषक आयशा सिद्दिकी ईरान और पाकिस्तान के बीच मतभेदों का इशारा करती हैं, %अफगानिस्तान के भविष्य और नियंत्रण से लेकर ग्वादर बनाम चाबहार बंदरगाहों तक ईरान और पाकिस्तान एक-दूसरे पर भारी संदेह करते हैं।% इसके अलावा, वह एक और पहलू की ओर इशारा करती हैं, वह है तेहरान का भारत के साथ घनिष्ठ संबंध, जिसके चलते पाकिस्तान पर हमले से ठीक एक दिन पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की तेहरान यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। वर्ष 1979 से तेहरान अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण पाकिस्तान पर संदेह करता रहा है। अब उसे इस बात की चिंता है कि ईरान को घेरने और निशाना बनाने के अमेरिकी प्रयास में इस्लामाबाद को शामिल किया जा सकता है।

पाकिस्तान ने अपने विदेश मंत्रालय से कई संदेश भेजे और तेहरान को समय देते हुए हमले के लिए औपचारिक माफी का इंतजार किया। जब सरकार ने देखा कि तेहरान माफी मांगने के लिए तैयार नहीं है, और इस बात पर जोर दे रहा है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है, बल्कि कुछ ईरान विरोधी चरमपंथियों के खिलाफ है, तो पाकिस्तानी वायु सेना ने उसका बदला लिया। हालांकि दोनों मुल्कों ने तब इतिहास रचा, जब वे युद्ध के कगार से पीछे हटे। पिछले हफ्ते ईरान ने अपने विदेश मंत्री को इस्लामाबाद भेजा, जहां दोनों पक्षों ने एक तंत्र स्थापित करने पर सहमति जताई, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। विश्लेषक उस समय को भी याद करते हैं, जब 2019 में प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान ईरान गए थे और अपने साथ आईएसआई के तत्कालीन महानिदेशक जनरल असीम मुनीर को ले गए थे, जो अभी पाकिस्तानी सेना के प्रमुख हैं। उस समय आतंकवाद पर स्पष्ट बातचीत से नीतिगत सफलता मिली थी। दोनों देशों के नेता आतंकवाद की गंभीर समस्या से निपटने के लिए एक तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए थे।

मानो पाकिस्तान की ये घटनाएं ही दुनिया को हैरान करने के लिए काफी नहीं हों, मुल्क में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव से ठीक पहले पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता शाह महमूद कुरैशी को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 2023 के तहत स्थापित ट्रायल कोर्ट द्वारा साइफर मामले में दस साल की सजा सुनाई। साइफर मामला दो चीजों से संबंधित है। पहला, प्रधानमंत्री के रूप में इमरान खान को विदेश मंत्रालय से गोपनीय साइफर की एक प्रति दी गई थी, जो वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत के टेलीग्राम से संबंधित थी, जिन्होंने अमेरिकी अधिकारियों के साथ अपनी बैठक के बारे में कहा था कि बाइडन प्रशासन इमरान खान द्वारा दिए गए अमेरिका विरोधी बयानों से खफा है। इमरान खान ने राजनीतिक कारणों से साइफर का अवैध इस्तेमाल करते हुए कहा कि अमेरिकियों ने उनकी सरकार को हटाने की साजिश रची थी।

दूसरा मामला, जो इमरान खान के खिलाफ गया, वह यह था कि उन्होंने अदालत को बताया कि उन्हें नहीं मालूम कि साइफर की लापता प्रति कहां है। यह चौंकाने वाली बात है, क्योंकि प्रधानमंत्री इसे पढ़ने के बाद विदेश मंत्रालय को लौटाने के प्रति बाध्य हैं। इतना संवेदनशील दस्तावेज यों ही गायब नहीं हो सकता। इमरान खान को दूसरी सजा उनके बढ़ते कानूनी और राजनीतिक संकटों के बीच सुनाई गई है, क्योंकि क्रिकेटर से नेता बने इमरान को पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई थी, जिसने उन्हें जेल की सजा के निलंबन के बावजूद आगामी आठ फरवरी के चुनावों से बाहर कर दिया। साइफर मामले में सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद ही जवाबदेही अदालत ने न केवल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, बल्कि उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी को भी एक अन्य मामले में 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। यह तोशाखाना मामला था, जो विदेशों में मिले आभूषण एवं अन्य महंगे उपहार तोशाखाना में जमा करने के बदले अपने पास रखने से संबंधित था।

मुझे याद नहीं आता कि पाकिस्तान के इतिहास में किसी पूर्व प्रधानमंत्री एवं उनकी पत्नी को एक साथ 14 वर्षों के लिए रावलपिंडी के एक ही जेल में एक साथ रखा गया। न ही इससे पहले कभी किसी राजनीतिक दंपती के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया। पिता व बेटी को एक ही समय जेल में डालने का एक उदाहरण पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज शरीफ का है, पर उन दोनों को अलग-अलग जेलों में रखा गया था। जिस तरह इमरान खान को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराया गया है, उसी तरह जब नवाज शरीफ को चुनाव से पहले अयोग्य ठहराकर जेल भेजा गया था, तो इमरान खान और उनकी पार्टी ने खुशी से मिठाई बांटी थी। हालांकि नवाज शरीफ ने इमरान की सजा को गंभीरता से लिया है, पर खुशी जाहिर करने से परहेज किया है। पाकिस्तान में ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनके मन में इमरान खान के लिए कोई सहानुभूति नहीं है और वे कहते हैं कि वह दंडित किए जाने योग्य हैं। उनका कहना है कि एक पूर्व प्रधानमंत्री साइफर जैसे गोपनीय दस्तावेज को सार्वजनिक नहीं कर सकता, झूठ नहीं गढ़ सकता, तथ्यों को विकृत नहीं कर सकता, विदेशी रिश्तों को खराब नहीं कर सकता, भ्रामक अभियान नहीं चला सकता और फिर खुद को निर्दोष नहीं बता सकता। जाहिर है, आने वाले महीनों में पाकिस्तान बहुत मुश्किल में दिखेगा।

आज का इतिहास

1995 सैंड्रा वोल्कर, महिला यूरोपीय तैराक 50 मीटर बैक स्टोक तैरती है जो लगभग 27.77 सेकंड दर्ज की गई थी।

1997 लेबनान जाने वाले रास्ते में 2 इजरायली सेना-परिवहन हेलीकॉप्टर टकराने से 73 लोगों की मौत हो गयी।

1997 अमेरिका के सचिव मार्गरेट अलब्राइट ने घोषणा की कि उन्होंने सिर्फ यह पाया कि उनके दादा-दादी यहूदी थे।

1998 दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बिल गेट्स के चेहरे पर एक पाई फेंकी गई।

1999 गिनी के एक 23 वर्षीय आप्रवासी अमादौ डायलो को न्यूयॉर्क शहर के पुलिस विभाग के सादे-कपड़े वाले अधिकारियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे न्यूयॉर्क शहर के भीतर और बाहर दोनों में आक्रोश फैल गया।

1999 पनामियन-फ़्लैग किए गए फ़ाइटर न्यू कैरिसा को ओरेगन के कोस बे के पास घेर लिया गया, जिससे ओरेगन के इतिहास में सबसे खराब तेल फैल गया।

2002 कैंसर अनुसंधान यूके, दुनिया की सबसे बड़ी स्वतंत्र कैन्सरसर्च चैरिटी, दो प्रतिस्पर्धी कैन्सरचोरिटी के विलय से बनाई गई थी।

2004 मार्क जुकरबर्ग ने सोशल नेटवार्किंग वेबसाइट फेसबुक की स्थापना की।

2004 चार हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों ने अपने डॉर्म रूम से लोकप्रिय सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट फेसबुक का शुभारंभ किया।

2006 फिलीपींस में मेट्रो मनीला के पासिग सिटी के फिलस्पोर्ट्स स्टेडियम में भगदड़ मचने से 78 लोग मारे गए और लगभग 400 घायल हो गए।

2008 लंदन कम उत्सर्जन क्षेत्र, यह नियंत्रित करता है कि ग्रेटर लंदन में किस प्रकार के वाहन प्रवेश कर सकते हैं।

2010 याहू की कंपनी! 225 मिलियन डॉलर की हॉट जॉब्स को मॉन्स्टर्स डॉट कॉम को बेच दिया।

2011 ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खुमैनी ने टिप्पणी की कि 2011 के मिस्र के विरोध और ट्यूनीशियाई विद्रोह इस्लामी जागरूकता का परिणाम हैं।

2012 प्रथम विश्व युद्ध के अंतिम ज्ञात अनुभवी फ्लोरेंस ग्रीन का 110 साल की उम्र में यूनाइटेड किंगडम में निधन हो गया।

2013 क्रेमलिन के अधिकारियों ने घोषणा की कि वर्ष 2014 में, त८ शिखर सम्मेलन अपने दक्षिणी ब्लैक सी रिसॉर्ट में, सोची में आयोजित किया जाएगा।

2014 स्टीव बाल्मर में सत्य नडेला को माइक्रोसॉफ्ट का सीईओ बनाया गया।

बदलनी होगी आक्रांताओं को नायक मानने की मानसिकता

बलबीर पुंज

हाल ही में एक अदालत द्वारा ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यासजी के तहखाने में हिंदुओं को पूजा का अधिकार मिलने से हिंदू-मुस्लिम संबंधों में तनाव की चर्चा है। 31 जनवरी को वाराणसी जिला न्यायालय के निर्णय के बाद हिंदुओं को 30 वर्ष पश्चात पुनः नियमित पूजा का अधिकार मिला है। तब से वहां पूजा-अर्चना जारी है। भारतीय पुरातत्व विभाग की ज्ञानवापी पर सर्वेक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद यह न्यायिक आदेश मिला है।

सदियों से इस परिसर के पश्चिमी दीवार पर खुली आंखों से (हिंदू वास्तुशिल्प-रूपांकन) दिख रहा है कि यह हिंदू मंदिर था। इससे पहले अयोध्या में रामजन्मभूमि को लेकर स्वतंत्रता के बाद भी सात दशकों से अधिक समय तक विवाद रहा था, जिसकी देश को मानवीय जीवन और अथाह संपत्ति के रूप में कीमत चुकानी पड़ी थी। मथुरा-काशी के साथ गौकशी आदि को लेकर भी यदा-कदा सांप्रदायिक तनाव के समाचार आते रहते हैं। क्या इस पृष्ठभूमि में देश में समरसता और सद्भाव कभी नहीं हो सकता ?

एक फरवरी, 2024 को प्रकाशित खबर के अनुसार, ज्ञानवापी में आदि विश्वेश्वर की पूजा का इतिहास 473 वर्ष पुराना है। व्यास परिवार ने वर्ष 1551 में आदि विश्वेश्वर की पूजा प्रारंभ की थी, जो दिसंबर 1993 तक व्यासजी के तहखाने में जारी रही। परंतु तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार में बिना किसी लिखित आदेश के पूजा को बंद करा दिया गया। यह स्थिति तब थी, जब मंदिर के पुनर्निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ करने का अधिकार देने हेतु 15 अक्तूबर, 1991 को सिविल न्यायाधीश की अदालत में मुकदमा दाखिल

किया था। इसमें दावा था कि विवादित स्थल प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भगवान विश्वेश्वर के मंदिर का अंश है, इसलिए उस स्थान पर हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार है।

यदि इस मामले में अदालती इतिहास की बात करें, तो ब्रितानी राज में भी 1843, 1852, 1886, 1906, 1935 और 1936 में मुकदमे दाखिल हुए थे। जो समूह ज्ञानवापी में हिंदू पक्ष का विरोध कर रहे हैं, वे इस मामले को 'पूजास्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम-1991' के चश्मे से देखने या दो पक्षों के बीच संपत्ति विवाद तक सीमित करने या फिर इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। स्वतंत्रता के बाद से भारतीय संविधान में 100 से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं। जहां 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान द्वारा प्रतिबद्ध 'राजभत्ता' (प्रिवीपर्स) को समाप्त किया, तो 1986 में तत्कालीन राजीव गांधी सरकार द्वारा शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय को संसद में प्रचंड बहुमत के बल पर पलटा जा चुका है। इस लिहाज से 1991 के उपरोक्त अधिनियम का हवाला देकर चर्चाएं रोकना शायद ही संभव है। दरअसल यह संघर्ष परिसर में किसी जमीन के टुकड़े भर के लिए नहीं है। इसकी पृष्ठभूमि जटिल है। यह राजनीतिक नहीं, अपितु विश्वास पर आधारित मामला है। पूरा वैचारिक उपक्रम आत्म-सम्मान, पहचान और सदियों से चले रहे सभ्यतागत संघर्ष से जुड़ा है, जो अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम द्वारा वर्ष 712 में सिंध पर आक्रमण के बाद शुरू हुआ था। तब यहां स्थानीय बहुलतावादी संस्कृति को नष्ट करने का मजहबी उपक्रम चला, साथ ही इस भूखंड की अस्मिता और सामाजिक जीवन के मानबिंदुओं को भी रौंद डाला गया। हजारों पूजास्थल धूल-धूसरित हो गए, तो असंख्य निरपराध हिंदू-बौद्ध-जैन या तो तलवार के भय से मतांतरित हो गए या फिर मजहबी उत्पीड़न के बाद उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। इस्लामी आक्रांता हिंदू मंदिरों को क्यों ध्वस्त करते थे? क्या केवल लूट के लिए या उन्माद के कारण? वास्तव में, लूट से बड़ी वजह उनकी मजहबी कट्टरता थी। इस मानसिकता का विवरण वर्ष 1908 में जी.रुस-केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवी पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971-1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर ध्वस्त नहीं करने के बदले अकूत धन देने की पेशकश की, तब उसने कहा था- %हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना है...। काशी का प्राचीन मंदिर भी वर्ष 1194 से 1669 के बीच कई बार इस्लामी आक्रमण का शिकार हुआ और हर बार हिंदू प्रतिकार का साक्षी भी बना। औरंगजेब ने जब जिहादी फरमान जारी करके काशी के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर उसके अवशेषों से मस्जिद बनाने का आदेश दिया था, तब उसका उद्देश्य मुस्लिमों के लिए इबादतगाह बनाना न होकर पराजितों को अपमानित करना था।

इस्लामी आक्रमणकारियों के अक्षम्य पापों को छिपाने के लिए जो कुतर्क दिए जाते हैं, उनमें सबसे प्रमुख है-आक्रांताओं ने भारत को अपना घर माना और लूट का समान वापस लेकर अपने उद्गमस्थान पर नहीं लौटे। यदि इसे आधार बनाएं, तो ब्रितानी राज को किस श्रेणी में रखा जाएगा? अंग्रेज वह विदेशी हमलावर थे, जिन्होंने 200 से अधिक वर्षों तक भारत को लूटा, यहां की मूल सनातन संस्कृति को बौद्धिक रूप से विकृत किया और स्वदेश रवाना हो गए। परंतु जब पहले इस्लामी आक्रांता भारत आए, तब कुछ भारी मात्रा में लूटी गई संपत्ति के साथ असंख्य 'काफिरों' को गुलाम बनाकर अपने साथ ले गए और बाद में आने वालों ने देश के बड़े हिस्से पर ही कब्जा कर लिया। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश उसी आधार पर जनित क्षेत्र हैं, जो कभी बहुलतावादी सांस्कृतिक भारत का हिस्सा थे। लेकिन वह इतिहास है और वर्तमान पीढ़ी उसकी दोषी कैसे हो सकती है? निश्चित ही सोमनाथ, अयोध्या, ज्ञानवापी या फिर मथुरा आदि में इस्लाम के नाम पर आततायियों द्वारा किए गए अत्याचारों के लिए वर्तमान भारतीय मुस्लिमों को दोषी ठहराने का कोई औचित्य नहीं है। आज के मुसलमान उन आक्रांताओं के साथ स्वयं को क्यों जोड़ें? दरअसल भारत में एक वर्ग न केवल गजनवी, गौरी, बाबर, औरंगजेब या टीपू को अपना नायक मानता है, बल्कि उनके कामों को भी न्यायोचित ठहराने का प्रयास करता है। इसी वजह से जटिलताएं खड़ी होती हैं। जब तक यह मानसिकता हावी रहेगी, तब तक देश में सद्भाव और समरसता का रास्ता बाधित होता रहेगा।

बिहार में नीतीश को कांग्रेस और राजद से किस बात का था डर

अंकित सिंह

हाल के दिनों में देखें तो बिहार में एक बार फिर से नीतीश कुमार ने पलटी मारते हुए अपने पुराने गठबंधन एनडीए में वापसी की। हालांकि, उनकी खूब आलोचना हो रही है। लेकिन अगर देखा जाए तो नीतीश कुमार ने वही किया जो एक चतुर राजनेता कर सकता है। भले ही नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन की नींव रखने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन कहीं ना कहीं वह सहयोगी दलों की ओर से लगातार हाशिए पर किए जा रहे थे और इसे नीतीश कुमार भली-भांति समझने में कामयाब हुए। इंडिया गठबंधन से नीतीश की नाराजगी की खबरें नवंबर से ही आनी शुरू हो गई थी। हालांकि, उनकी नाराजगी को दूर करने की कोशिश में इंडिया गठबंधन की ओर से जनवरी महीने में उन्हें संयोजक बनने का प्रस्ताव दिया गया। लेकिन नीतीश ने भविष्य को देखते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। इसी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इंडिया गठबंधन का अध्यक्ष घोषित किया गया था। संयोजक प्रस्ताव के पद को ठुकराने के बाद नीतीश को लेकर कई तरह की बातें कही गई। लेकिन कहीं ना कहीं नीतीश कुमार ने भविष्य की राजनीति को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। पहला कारण तो यह था कि कांग्रेस उनके वोट बैंक में सेंध लगा सकती थी। दूसरा बिहार में मुख्यमंत्री पद छोड़ने का सहयोगी दलों की ओर से उन पर दबाव बनाया जाने लगता। ऐसे में कहीं ना कहीं उनकी पार्टी पर भी खतरा आ सकता था। यही कारण रहा की 2024 के चुनाव और उसके बाद तक सत्ता में बने रहने का एकमात्र तरीका नीतीश के लिए विपक्षी गठबंधन को छोड़ना था और उन्होंने यह फैसला कर लिया। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह साफ तौर पर माना जा रहा है कि अभी भाजपा को हराना मुश्किल है। ऐसे में नीतीश का फैसला चालाकी भरा रहा। वैसे भी कहा जाता है यदि आप उन्हें हार नहीं सकते तो उनके साथ जुड़ जाइए। वर्तमान में देखें तो 2024 चुनाव को लेकर भाजपा के पक्ष में जबरदस्त माहौल दिख रहा है। इसमें अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना और अनुच्छेद 370 के खत्म होने की जबरदस्त चर्चा है। साथ ही साथ अर्थव्यवस्था के हिसाब से भी भारत इस वक्त आगे बढ़ रहा है। वहीं, जी20 देश की मेजबानी कर भारत ने विश्व में अपनी ताकत दिखाई है और यही कारण है कि नरेंद्र मोदी सरकार की देश में एक अच्छी साख स्थापित हुई है। इसके अलावा देखा जाए तो कई और राजनीतिक दल भाजपा के पक्ष में खड़ी होती दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि नीतीश ने भी अपने पुराने गठबंधन में लौटना बेहतर समझा। नीतीश को यह लगने लगा था कि उनके सहयोगी ही उनकी सरकार का बिहार में तख्तापलट करना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्होंने भाजपा का साथ पकड़ा। नीतीश को पता है कि भाजपा वर्तमान में जिस स्थिति में है, उसमें उनकी भी पार्टी के विधायको का भी टूटना मुश्किल रहेगा। वर्तमान में देखें तो कांग्रेस की स्थिति देश में अच्छी नहीं है। यही कारण है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए सहयोगी दलों का सहारा लेना पड़ रहा है। हालांकि कांग्रेस अभी भी गांधी परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में जुटा हुआ है। अगर देखा जाए तो नीतीश कुमार ने कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर वंशवाद की राजनीति पर प्रहार करते हुए राजद के साथ-साथ राहुल गांधी पर भी तंज कसा था। नीतीश राहुल गांधी से भी नाराज रहे। ऐसे में कांग्रेस चाहे तो किसी अन्य नेता को आगे बढ़ाकर नीतीश कुमार को अच्छा जवाब दिया जा सकता है। हालांकि कांग्रेस के लिए यह पहली बार नहीं है जब उसकी हालत खराब हुई है। 1978 और 2004 में कांग्रेस से सत्ता में लौटी थी जब उसके पहले के चुनाव में उसकी हालत खराब हो गई थी। लेकिन वर्तमान में कांग्रेस के पास ना वैसी रणनीति है और ना ही वैसे नेता है जो पार्टी को मजबूती दिला सकते हैं।

विपक्ष पर मंडराते संकट के बीच आखिर कांग्रेस की रणनीति क्या है?

राजकुमार सिंह

28 विपक्षी दलों के गठबंधन के सूत्रधार रहे नीतीश कुमार पाला बदल कर भाजपा के एनडीए में लौट गए, तो जमीन घोटाले में ईडी द्वारा हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद चंपई सोरेन को झारखंड का नया मुख्यमंत्री बनाया गया है। दिल्ली में भी ऐसी स्थिति कभी भी आ सकती है। प। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तो पंजाब और हरियाणा में आम आदमी पार्टी राज्य की सभी लोकसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी हैं। वार्ता का इंतजार कर थक चुके अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को 11 सीटें देने का एकतरफा ऐलान कर दिया है, लेकिन 'इंडिया' में सीट शेयरिंग के मामले में सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस की उदासीनता चौंकानेवाली है। क्या कांग्रेस कुछ घटक दलों के प्रति दुविधा की शिकार है या खुद को केंद्र में रख कर किसी चुनावी रणनीति पर काम कर रही है? दरअसल 20 साल बीत जाने के बावजूद कांग्रेस 2004 की अपनी चुनावी सफलता को ही ध्यान में रख कर 2024 की रणनीति पर काम करती दिख रही है। तब अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे कद्दावर नेता प्रधानमंत्री थे और 'शाइनिंग इंडिया' के नारे के बावजूद, बिना बड़ा विपक्षी गठबंधन बनाए सोनिया गांधी के नेतृत्ववाली कांग्रेस ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया था। चुनाव बाद ही यूपीए बना था, जिसने केंद्र में सरकार बनाई। कुछ रणनीतिकारों से बातचीत से भी यह धारणा पुष्ट होती है कि उच्च सत्ता महत्वाकांक्षावाले क्षेत्रीय दलों के वर्चस्व से निर्देशित गठबंधन राजनीति पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मिश्रित चुनावी रणनीति को न सिर्फ अपने लिए, बल्कि विपक्ष के लिए भी बेहतर मान रही है। बेशक पिछले दो लोकसभा चुनावों में शर्मनाक प्रदर्शन करनेवाली कांग्रेस समझती है कि इस बार के चुनाव उसके लिए निर्णायक भी साबित हो सकते हैं, लेकिन लंबे राजनीतिक अनुभव के आधार पर उसे लगता है कि सिर्फ गठबंधन के सहारे नरेंद्र मोदी-अमित शाह की चुनाव रणनीति में माहिर जोड़ी और भाजपा के विशाल सक्रिय संगठन को मात नहीं दी जा सकती। उसके लिए राज्यवार अलग-अलग रणनीति बनाना बेहतर परिणाम दे सकता है। निश्चय ही नीतीश के पालाबदल से बिहार में 'इंडिया' का गणित गड़बड़ा गया है। दरअसल कांग्रेस अगले लोकसभा चुनाव के लिए तिहरी रणनीति पर काम कर रही है। कुछ राज्यों में गठबंधन कर चुनाव लड़ा जाएगा, कुछ में समझदारी के साथ दोस्ताना मुकाबला होगा, जबकि चुनाव पश्चात नए सिर से गठबंधन की संभावनाएं भी खुली रहेंगी, जिसमें भाजपा विरोधी ममता, केजरीवाल और अखिलेश तो रहेंगे ही, कुछ पता नहीं कि सत्ता की संभावनाएं बनने पर नीतीश भी फिर पलटी मार जाएं।

क्या नेहरू और इंदिरा ने खुद को ही दे दिया था भारत रत्न?

अभिनय आकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह इसके लिए लालकृष्ण आडवाणी को बधाई देते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मैंने उनसे बात भी की और उन्हें यह सम्मान दिए जाने पर बधाई दी। वहीं कांग्रेस पार्टी ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिर्फ एक ही पार्टी के नेताओं को भारत रत्न नहीं मिलना चाहिए अनेक लोगों का भी देश के लिए योगदान है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांशीराम से लेकर कमलापति त्रिपाठी का भी देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में आपको इतिहास में लिए चलते हैं और बताते हैं जब देश के दो शख्सियतों को प्रधानमंत्री रहते हुए ही भारत रत्न दिया गया था। इसके साथ ही जानते हैं कि भारत रत्न किसे दिया जाता है और अब तक कितने लोगों को ये सम्मान मिल चुका है।

देश में सबसे बड़ा सम्मान भारत रत्न को माना जाता है। आपके भी किसी पसंदीदा खिलाड़ी, क्रिकेटर या एक्टिविस्ट को भारत जरूर नहीं मिला होगा। अपने क्षेत्र में देश के लिए कुछ करने जिसकी वजह से परिवर्तन आया हो। उसे देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाता है। ये सम्मान उसे दिया जाता है जिसने अपने क्षेत्र

में असाधारण या सर्वोच्च सेवा दी हो। ये सम्मान राजनीति, कला साहित्य, विज्ञान के क्षेत्र में किसी विचारिक, वैज्ञानिक, उद्योगपति, लेखक और सामाज सेवी को दिया जाता है।

अब तक 50 व्यक्तियों को यह सम्मान मिल चुका है। शुरुआत में यह सिर्फ जीवित व्यक्तियों के लिए था, लेकिन 1955 में नियमों में सुधार किया गया। भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति देश वीआईपी में शामिल होता है। भारत रत्न को प्रोटोकॉल में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उप प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, लोकसभा स्पीकर, कैबिनेट मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता के बाद जगह मिलती है। भारत रत्न से सम्मानित व्यक्ति को कोई राशि नहीं मिलती, लेकिन कैबिनेट मंत्री बराबर वीआईपी का दर्जा मिलता है।

जवाहरलाल नेहरू को 15 जुलाई को ही देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न प्रदान करने का ऐलान किया गया था। उन्हें यह वर्ष 1955 में प्रदान किया गया। वर्ष 1954 में स्थापित यह सम्मान किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाता है। जवाहरलाल नेहरू के बाद इंदिरा गांधी दूसरी ऐसी शख्सियत रहीं, जिन्हें प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए भारत रत्न से सम्मानित किया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दुनिया के समीकरण तेजी से बदल रहे थे। भारत नया-नया आजाद हुआ था। विश्व में अपनी जड़ें ढूंढ़ रहा था। अधिकतर क्षेत्र में भारत अभी भी दूसरे देशों पर निर्भर था। अमेरिका खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य क्षेत्रों में भारत की मदद करता था। जवाहर लाल नेहरू चाहते थे कि इंडस्ट्रिलाइजेशन की शुरुआत हो। तब की जियोपॉलिटिक्स ऐसी थी कि अमेरिका का झुकाव पाकिस्तान की तरफ ज्यादा था। वो पाकिस्तान से अपने सैन्य रिश्ते मजबूत करता जा रहा था। पाकिस्तान के साथ रिश्ते अनबैलेंस न हो इसके लिए जरूरी था कि अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत अपनी मौजूदगी दर्ज कराए। 1954 में भारत ने चीन के साथ तिब्बत पर सिनो इंडियन एग्रीमेंट साइन किया। इसके बाद नेहरू ने यूएसएसआर और यूरोप का दौरा किया।

यूरोप और सोवियत के दौरे से 13 जुलाई को वापस दिल्ली लौटे जवाहर लाल नेहरू। लेकिन जब वो एयरपोर्ट पर उतरे तो प्रोटोकॉल तोड़ते हुए राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद खुद उनका स्वागत करने पहुंचे थे। राजेंद्र प्रसाद के अलावा काफी लोग नेहरू के स्वागत के लिए मौजूद थे। एयरपोर्ट पर नेहरू को एक छोटा सा भाषण देने के लिए भी कहा गया। बाद में राष्ट्रपति भवन में एक भोज का आयोजन किया गया। तब डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने नेहरू को लेकर कहा कि ये हमारे समय के शांति के सबसे बड़े वास्तुकार हैं।

इंदिरा गांधी को साल 1971 में भारत रत्न से नवाजा गया। उस साल केवल उन्हें ही भारत रत्न दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने इंदिरा गांधी को ये सम्मान दिया था। तब उन्होंने राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की तरह ही खुद इस बात का फैसला लिया था। अवॉर्ड की खास बात यह है कि उन्हें यह पुरस्कार साल 1972 में दिया गया था, जबकि यह साल 1971 के लिए था। उन्हें यह पुरस्कार पाकिस्तान-बांग्लादेश वॉर में अहम भूमिका निभाने के लिए दिया गया था।

इंदिरा के इमरजेंसी के दौर के बाद मोरारजी देसाई की सरकार जब सत्ता में आई तो फैसला लिया कि सरकार को नागरिक सम्मान बंद कर देना चाहिए। दलील दी गई कि इसमें प्रलोभन चलते हैं और लाबिंग होती है। मार्च 1977 से लेकर जनवरी 1980 तक देश में न तो किसी तो भारत रत्न दिया गया और न ही पद्म पुरस्कार। 1980 में इंदिरा सरकार वापस सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई की शुरू की या फिर कहे कि खत्म की गई परंपरा को दुरूस्त करने की दलील के साथ प्रणब मुखर्जी ने इंदिरा गांधी को भारत रत्न के नाम का ऐलान करने का सुझाव दिया। कई नामों पर विचार चले और फिर मदर टेरेसा के नाम पर सहमति बनी।

झारखंड की राजनीति में आये इस तूफान के असल कारणों को समझना बेहद जरूरी है

चेतनादित्य आलोक

हाल ही में पड़ोसी राज्य बिहार में बेहद नाटकीय ढंग से तेजस्वी यादव के उपमुख्यमंत्रित्व वाली नीतीश कुमार नीत सरकार गिरी और शाम तक पुनः एक बार भाजपा के सहयोग से नीतीश सरकार बन भी गई। अब बारी झारखंड की थी, जाहिर है कि झारखंड भी इसमें पीछे नहीं रहना चाहता था। आखिर चुनावी साल जो है, ऐसे समय में कोई भी दल अथवा राज्य नाटकीयता, पाला बदल जैसे राजनीतिक खेलों से परहेज कैसे कर सकता है। तो, अब झारखंड में राजनीतिक खेल जारी है। झारखंड के हालिया घटनाक्रमों पर नजर डालें तो यह आसानी से समझ में आ जाएगा कि राजनीतिक खेल यदि कोई खेल-प्रतिस्पर्द्धा होती तो झारखंड अपने मातृ राज्य बिहार को पराजित कर गोल्ड मेडल अर्जित कर सकता था, लेकिन कोई बात नहीं, राजनीतिक खेल करने वाले दलों और नेताओं को बहुत अच्छी तरह मालूम होता है कि इस खेल में %गोल्ड मेडल% भले ही नहीं मिलते हों, परंतु उन्हें %वोट मेडल% तो मिल ही जाएगा, जिसकी अहमियत उनके लिए %गोल्ड मेडल% से भी ज्यादा होती है। बहरहाल, झारखंड राज्य में जमीन खरीद में गड़बड़ी, अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग के कथित पुराने मामलों की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ करने के लिए समय मांगा तो हेमंत कथित रूप से फरार हो गए। शायद पूछताछ करने के बाद ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने का अनुमान उन्हें था।

देखा जाए तो हेमंत सोरेन के परिवार में गिरफ्तारी के भय से फरारी का इतिहास पुराना रहा है। इससे पहले मई 2004 में कोयला मंत्री के रूप में केंद्रीय कैबिनेट में शामिल हुए उनके पिता शिबू सोरेन को भी तब भूमिगत होना पड़ा था, जब चिरूडीह नरसंहार के 30 साल पुराने मामले में उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। उनके संबंध में कहीं से कोई जानकारी नहीं मिलने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनसे इस्तीफा मांग लिया था। इस प्रकार मंत्री बनने के मात्र ढाई महीने बाद ही शिबू सोरेन ने फैक्स के माध्यम से अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री को भेज दिया था। वहीं, नवंबर 2004 में जमानत मिलने के बाद उन्हें फिर से केंद्रीय कैबिनेट में शामिल कर लिया गया। केंद्रीय कोयला मंत्रालय में तब सचिव रहे प्रकाश चंद्र पारख ने अपनी पुस्तक शिखर तक संघर्ष में शिबू सोरेन को व्यक्तिगत एजेंडे वाला मंत्री बताते हुए लिखा है कि कई मुद्दों पर शिबू सोरेन उनसे सहमत नहीं थे और उनके स्थानांतरण के लिए प्रधानमंत्री को उन्होंने पत्र भी लिखा था। नियुक्ति-भर्तियों से लेकर कोयला आवंटन तक के मामलों में शिबू सोरेन और पारख कभी एकमत नहीं होते थे। बताना जरूरी है कि यूपीए सरकार के समय हुए कोयला घोटाला के सनसनीखेज मामले को श्री पारख ने ही उजागर किया था, जिसके बाद वे %व्हिस्लब्लोवर% के रूप में विख्यात हुए थे।

चिरूडीह मामला, जिसमें गिरफ्तारी के भय से शिबू सोरेन फरार हुए थे, 1975 में घटित हुआ भीषण नरसंहार का मामला था। उस दौर में शिबू सोरेन जवान और तीखे तेवर वाले राजनेता थे। वे संथाल परगना के विभिन्न क्षेत्रों में महाजनों के खिलाफ उग्र आंदोलन चला रहे थे। उस समय संथाल परगना का चिरूडीह इलाका भागलपुर कमिश्नरेट से जुड़ा हुआ था, किंतु जब 30 वर्षों के बाद

यह मामला खुला, तब चिरूडीह जामताड़ा जिले का हिस्सा बन चुका था। खबरों के अनुसार उस चिरूडीह नरसंहार में कुल 13 लोग मारे गए थे। मृतकों में 09 मुस्लिम भी थे। बताया जाता है शिबू सोरेन के समर्थकों ने 23 जनवरी 1975 को चिरूडीह में तथाकथित दिकू लोगों के साथ हिंसा की थी। झारखंड में दिकू उन लोगों को कहा जाता रहा है, जिन्हें शिबू सोरेन और उनके समर्थक बाहरी मानते रहे हैं और प्रायः पलायन करने के लिए मजबूर करते रहे हैं। हालांकि चिरूडीह नरसंहार मामले की शुरुआती पुलिस रिपोर्ट में शिबू सोरेन का नाम नहीं था, लेकिन पुलिस द्वारा कोर्ट में प्रस्तुत की गई चार्जशीट में उनका नाम भी शामिल था। बता दें कि 2004 में जब यह मामला सामने आया, तब तक 69 में से 25 आरोपित एवं 40 में से 20 गवाहों की मृत्यु हो चुकी थी। 2002 में झारखंड हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश वीके गुप्ता ने इस मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दिया था। जून 2004 में शिबू सोरेन को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस अधिकारियों को दिल्ली भेजा गया। उन दिनों संसद का सत्र चलने के कारण गिरफ्तारी से पूर्व लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति आवश्यक थी और जब तक अनुमति मिलती, तब तक शिबू सोरेन भूमिगत हो गए थे।

बहरहाल, झारखंड में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदले और हेमंत सोरेन दिल्ली से एक दिन की कथित गुमशुदगी के बाद रांची में प्रकट हुए। 31 जनवरी को इडी ने उनसे पूछताछ करने के बाद हिरासत में ले लिया था। फिलहाल कोर्ट द्वारा उन्हें एक दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, जबकि उन्हें इडी की कस्टडी में भेजा जाए या नहीं, इसके लिए शुक्रवार को फिर कोर्ट में बहस होनी है। वैसे गिरफ्तारी से पूर्व हेमंत सोरेन ने झामुमो एवं आइएनडीआइए गठबंधन के विधायकों के साथ बैठक कर अपनी गिरफ्तारी की स्थिति में पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम बनाने पर साथी दलों तथा झामुमो विधायकों को सहमत करने की भरपूर कोशिश की, लेकिन उनकी भाभी सीता सोरेन द्वारा इसका विरोध किए जाने के बाद उन्हें अपना पैंतरा बदलना पड़ा। सूत्र तो यह भी बता रहे हैं कि कुछ झामुमो विधायकों ने भी कल्पना के नाम पर आपत्ति जाहिर की थी। वैसे लगभग चार से छह झामुमो विधायक गुरुवार दोपहर तक पार्टी के विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता चंपई सोरेन की पहुंच से बाहर बताए जा रहे हैं। ये वही विधायक हैं जो हेमंत की बैठक से भी नदारद थे। दूसरी ओर भाजपा के झारखंड प्रभारी इस राजनीतिक नाटक के शुरू होते ही रांची पहुंच गए और सूत्रों के अनुसार यदि आइएनडीआइए गठबंधन की सरकार किसी कारण से शीघ्र नहीं बन पाती है तो सत्ताधारी दलों, विशेषकर झामुमो और कांग्रेस के विधायकों के छटक कर भाजपा के साथ जाने की संभावना है।

वैसे संभावना तो इस बात की भी जताई जा रही है कि जो चार से छह झामुमो विधायक अब तक लापता हैं, वे भाजपा नेताओं के संपर्क में हो सकते हैं। विधायकों में संभावित टूट-फूट से बचने के लिए आइएनडीआइए गठबंधन के विधायकों को रांची के सर्किट हाउस के कमरे में बंद कर रखा गया, जिन्हें चार्टर्ड जहाज के द्वारा बंगलुरू भेजा जाना था। वहीं झामुमो की ओर से अब राज्य के भीतर ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसमें राज्य की जनता के बीच वह अपने को निर्दोष दिखा सके और भाजपा को सरकार गिराने की कोशिश में संलिप्त बताकर उसे लोकतंत्र का हत्यारा साबित कर सके। यही कारण है कि जब इडी द्वारा मुख्यमंत्री आवास पर हेमंत सोरेन से पूछताछ की जा रही थी, तब राज्य के विभिन्न इलाकों में झामुमों कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पारंपरिक हथियारों से लैस होकर उग्र आंदोलन का रुख अख्तियार कर लिया था। बाद में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद एक दिन के बंद की घोषणा करना भी इसी योजना का हिस्सा बताया जा रहा है। इस प्रकार झामुमो की ओर से जनता के बीच यह संदेश देने का भरपूर प्रयास किया कि हेमंत सोरेन बिल्कुल दूध के धुले हैं, जबकि केंद्र की भाजपा सरकार अपने विरोधियों को इडी और सीबीआई के माध्यम से मैनेज करने में लगी हुई है।

मौत की झूठी खबर फैलाने के आरोप में पूनम पांडेय पर एफआईआर, मैनेजर निकिता के खिलाफ भी मामला दर्ज

शुक्रवार को इंडस्ट्री से एक ऐसी खबर आई, जिससे हर कोई स्तब्ध रह गया। अभिनेत्री और मॉडल पूनम पांडे की मौत की खबर।

अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर उनकी मौत की खबर देने वाली एक पोस्ट साझा की गई, जिसमें लिखा गया था कि सर्वाइकल कैंसर के चलते उनकी मौत हो गई है। हालांकि, यह मौत की खबर झूठी साबित हुआ और मामला पब्लिसिटी स्टंट का सामने आया।

पूनम ने एक दिन बाद खुद सामने आकर इसका खुलासा किया और कहा कि उन्होंने ये सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए किया था। पूनम के इस पब्लिसिटी स्टंट का अब उन्हें लोग जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसी बीच शनिवार को पूनम पांडेय के खिलाफ वकील अली काशिफ ने एफआईआर दर्ज कराई है। मौत की झूठी खबर फैलाने के आरोप में पूनम की मैनेजर निकिता शर्मा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

तेलुगु-हिंदी फ़िल्म हीरो हीरोइन में दिव्या खोसला कुमार का किरदार वैजयंतीमाला से प्रेरित ?

दिव्या खोसला कुमार जल्द ही लव ड्रामा तेलुगु-हिंदी फ़िल्म हीरो हीरोइन में अहम रोल में नज़र आने वाली हैं । सुरेश कृष्णा द्वारा निर्देशित, हिंदी और तेलुगु द्विभाषी फिल्म हीरो हीरोइन ऑन-स्क्रीन रोमांस के वास्तविक जीवन के प्यार में बदलने की कहानी दर्शाती है । कहा जा रहा है कि, दिव्या खोसला कुमार इस फ़िल्म में वैजयंतीमाला से प्रेरित एक किरदार निभा रही हैं । पूछे जाने पर, निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने अफवाहों को स्वीकार करने या खंडन करने से खुद को बचाते हुए कहा, मैं दिव्या जी के किरदार के बारे में कुछ नहीं कह रही हूं, सिवाय इसके कि वह एक शानदार अभिनेत्री हैं । मैं अब तक की प्रतिक्रिया से रोमांचित हूं। यह एक ऐसी फिल्म है जो मेरे दिल के बहुत करीब है । यह भावनाओं का भँवर है, जहां प्यार अप्रत्याशित मोड़ लेता है। मैं वादा करती हूं कि कहानी आपको अपनी सीट से बांधे रखेगी । प्रेरणा ने कहा, यह फिल्म आधुनिक प्रेम का उत्सव है, और हमने जो जादू बनाया है उसे साझा करने के लिए हम इंतजार नहीं कर सकते । मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म को उसी तरह स्वीकार किया जाएगा जैसे मेरी पिछली फिल्मों (टॉयलेट- एक प्रेम कथा, रुस्तम, पैडमैन) को किया गया ।

वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की आलिया- शरवरी स्टारर को डायरेक्ट करेंगे निर्देशक शिव रवैल

वर्षों से, आदित्य चोपड़ा ने हमारी पीढ़ी के कुछ सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं और निर्देशकों को चुना और तैयार किया है, जिन्होंने इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में अपना नाम बनाया है। ऐसा लगता है कि आदि अब शिव रवैल को बॉलीवुड में अगली बड़ी हस्ती बनाने की तैयारी में हैं। शिव, जो आदित्य चोपड़ा की कई फिल्मों में सहायक निर्देशक की भूमिका निभा चुके है , उन्होंने हाल ही में नेटफ्लिक्स पर एक ग्लोबल ब्लॉकबस्टर स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मैन दी है। यह पूरे दक्षिण एशिया में नंबर 1 शो बन गया और ग्लोबल चार्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गया था । द रेलवे मैन यशराज फिल्म्स की स्ट्रीमिंग प्रोडक्शन शाखा, वाईआरएफ एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित पहली सीरीज है। द रेलवे मैन भारत का पहला और एकमात्र शो है जो लगातार आठ सप्ताह तक ग्लोबल चार्ट पर बना रहा और इतिहास रचा।

एक ट्रेड सूत्र ने कहा वाईआरएफ के लिए शिव का निर्देशन डेब्यू, द रेलवे मैन, एक जबरदस्त हिट है और वह आज शहर में चर्चा का विषय है। वह युवा हैं और उन्हें इस बात की बहुत अच्छी जानकारी है कि युवा मनोरंजन के रूप में क्या लेना चाहेंगे, जैसा कि आदित्य चोपड़ा के मार्गदर्शन में उन्हें मिली ग्लोबल सफलता से स्पष्ट है। इस प्रकार, आदि को विश्वास है कि वह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की युवा महिला प्रधान एक्शन एंटरटेनर का निर्देशन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक हैं, जिसमें इंडस्ट्री के उभरते सितारे शरवरी के साथ आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित, स्पाई यूनिवर्स की शुरुआत टाइगर फ्रेंचाइजी के साथ हुई, जिसमें सलमान खान और कैटरीना कैफ ने अभिनय किया, जिसकी शुरुआत एक था टाइगर (2012) और टाइगर जिंदा है (2017) से हुई, और रितिक रोशन और टाइगर श्रॉफ अभिनीत वॉर (2019) के साथ जारी रही। फिर शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम अभिनीत ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर पठान आई। स्पाई यूनिवर्स की आखिरी फिल्म टाइगर 3 थी जिसमें सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी नजर आये। इस प्रसिद्ध फ्रेंचाइजी की सभी फिल्में हिट रही हैं ।

एमजीआर और कमल से लेकर विजय तक, दक्षिणी सितारों की सूची जिन्होंने राजनीतिक पार्टियां शुरू कीं

तमिल स्टार थलपति विजय ने शुक्रवार (2 फरवरी) को तमिझागा वेत्री कड़गम (टीवीके) नाम से अपनी पार्टी लॉन्च करके तमिलनाडु की राजनीति में आधिकारिक प्रवेश की घोषणा की। विजय दक्षिण सिनेमा के पहले अभिनेता नहीं हैं जिन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया है और एक पार्टी शुरू की है। उनसे पहले साउथ फिल्म इंडस्ट्री से कई अन्य लोकप्रिय नाम रहे हैं, जिन्होंने स्थानीय और राष्ट्रीय राजनीति में भी अपनी किस्मत आजमाई है।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम

राजनीतिक दल की स्थापना 17 अक्टूबर 1972 को मारुथुर गोपालन रामचंद्रन (एमजीआर) ने की थी। 1988 में, लोकप्रिय अभिनेत्री जयललिता पार्टी की प्रमुख बनीं और 2016 तक बनी रहीं। एमजीआर तमिलनाडु थे 1977 से 1987 तक मुख्यमंत्री जबकि जयललिता 1991 से 1996, 2001, 2002 से 2006, 2011 से 2014, 2015 से 2016 और फिर 2016 में मुख्यमंत्री रहीं।

देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम (डीएमडीके)

इसकी स्थापना 2005 में विजयकांत ने की थी, जिनका हाल ही में दिसंबर 2023 में निधन हो गया। उनके निधन के बाद, पार्टी का नेतृत्व पूरी तरह से महासचिव के रूप में उनकी पत्नी प्रेमलता ने किया है। विजयकांत 2011 में तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता बने।

मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम)

कमल हासन ने लगभग छह साल पहले 21 फरवरी, 2018 को एमएनएम की स्थापना की थी। पार्टी तमिलनाडु राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सक्रिय राजनीति में है।

ऑल इंडिया समथुवा मक्कल काची (एआईएसएमके)

आर सरथकुमार ने 2007 में पार्टी की स्थापना की। 2011 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में, एआईएडीएमके के गठबंधन सहयोगी के हिस्से के रूप में पार्टी ने दो सीटें जीतीं।

थमिझागा मुनेत्र मुन्नानी (टीएमएम)

अल्पकालिक राजनीतिक दल की स्थापना 1988 में अनुभवी तमिल अभिनेता शिवाजी गणेशन ने की थी।

अहिला इंडिया नादालुम मक्कल काची

पार्टी की शुरुआत कार्तिक ने 2009 में की थी। पार्टी के वोटिंग शेयर में अभिनेता के प्रशंसक प्रमुख योगदानकर्ता हैं।

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी)

राजनीतिक दल नंदमुरी तारक राम राव (एनटीआर) द्वारा लॉन्च किया गया था। पार्टी आंध्र प्रदेश राज्य में सबसे सफल राजनीतिक संगठनों में से एक है। एनटीआर 1983, 1984 और 1994 में तीन बार मुख्यमंत्री बने।

प्रजा राज्यम पार्टी (पीआरपी)

चिरंजीवी ने 2008 में प्रजा राज्यम पार्टी की स्थापना की। हालांकि, बाद में 2011 में इसका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय हो गया। वह तिरुपति (2009 से 2012) तक आंध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य थे। उन्होंने 2012 में राज्यसभा चुनाव जीता और मनमोहन सिंह सरकार में संस्कृति और पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बने।

जन सेना पार्टी (जेएसपी)

नौ साल पहले पवन कल्याण ने जन सेना पार्टी लॉन्च की थी, जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में सक्रिय है।

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म द क्रू 29 मार्च को गुड फ्राइड के मौके पर होगी रिलीज

बालाजी मोशन पिक्चर्स की बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशंस नेटवर्क गुड फ्राइडे के मौके पर अपनी एक ग्रैंड कमिर्शियल एंटरटेनर के साथ गर्मियों के शुरुआती दिनों में हम सभी को एंटरटेन करने के लिए तैयार है। वेल, वेल ....हम बात कर रहें है तब्बू, करीना कपूर खान, कृति सेनन और दिलजीत दोसांझ की फिल्म द क्रू की जिसमें कपिल शर्मा भी स्पेशल अपीयरेंस में नजर आने वाले है। इसी के साथ कुछ ही दिनों में एक पोस्टर के साथ फिल्म के नए टाइटल की अनाउंसमेंट भी कर दी जाएगी।

दरअसल एकता आर कपूर और रिया कपूर ने अपनी अगली फिल्म द क्रू के लिए नई रिलीज डेट फाइनल कर ली है जो 29 मार्च 2024 है। इसी के साथ मेकर्स द क्रू के एक बिल्कुल नए टाइटल की घोषणा भी करेंगे और कुछ ही दिनों में एक नया पोस्टर भी लॉन्च करने की तैयारी में है। तो एविएशन की दुनिया में यात्रा के लिए खुद को तैयार कर लीजिए, जो खामियों और दुर्घटनाओं की कॉमेडी की एक रोलरकोस्टर राइड होगी जो आपको हंसाने के लिए एक माहौल सेट करती है। स्ट्रगलिंग एयरलाइन इंडस्ट्री के बैकड्राप पर बेस्ड यह फिल्म तीन वर्किंग महिलाओं के जीवन की यात्रा करेगी, जो कुछ अनुचित परिस्थितियों का सामना करती है और झूठ के जाल में फंस जाती हैं।

बता दें, इस फिल्म की शूटिंग मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर मार्च 2023 में शुरू की थी। अब आखिरकार वे फिल्म की नई रिलीज़ डेट, 29 मार्च 2024 के साथ एक और एक्साइटिंग घोषणा के साथ सामने आ चुके है ।

ये फिल्म एकता आर कपूर और रिया कपूर का तीसरा सहयोग है। वहीं फिल्म की न्यू रिलीज़ डेट की घोषणा ने वास्तव में फिल्म के लिए दर्शकों के उत्साह को बढ़ा देती है। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज का काउंटडाउन भी शुरू हो गई है और इस बीच लोगों को अब द क्रू के नए टाइटल का इंतजार रहेगा । एकता आर कपूर और रिया कपूर की गतिशील जोड़ी को एक बार फिर से साथ लाते हुए, यह विशाल और दिलचस्प कहानी यकीनन एक बड़े कमर्शियल फिल्म के लिए नए स्टैंडर्ड सेट करेगी। इसके अलावा, तब्बू, करीना कपूर खान, कृति सेनन, दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा की स्पेशल अपीयरेंस के साथ यह फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों को सुपर एक्साइट करने वाली है।

धनुष स्टारर तमिल पीरियड एक्शन-एडवेंचर ड्रामा कैप्टन मिलर का 9 को प्राइम वीडियो पर होगा ग्लोबल प्रीमियर

हाल में धनुष स्टारर तमिल पीरियड एक्शन-एडवेंचर ड्रामा फिल्म कैप्टन मिलर के एक्सक्लूसिव ग्लोबल प्रीमियर का एलान हुआ है। यह फिल्म, ट्रिलॉजी का पहला पार्ट है। इस निर्देशन अरुण मथेश्वरन ने किया हैं और जिसे उन्होंने अरुणराजा कामराज और मदन कार्की के साथ मिलकर लिखा भी हैं। वहीं इसे सत्य ज्योति फिल्म्स द्वारा निर्मित किया गया है। कैप्टन मिलर में लीड रोल निभा रहें धनुष के साथ शिव राजकुमार, नासर, सुदीप किशन, प्रियंका मोहन और डेब्यूटांट सतीश भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस तमिल पीरियड एक्शन-एडवेंचर को अपनी सटीक स्क्रिप्ट, दमदार प्रदर्शन और प्रेजेंड डे रिवेलेंस के लिए आलोचकों और दर्शकों से समान रूप से तारीफ मिली है। प्री इंडिपेंडेंस युग पर आधारित, यह फिल्म अनलीसन (धनुष) के जीवन पर केंद्रित है, जिसे ईसा के नाम से भी जाना जाता है। अपनी मां के निधन के बाद, ईसा अपने गांव में आराम से समय बिताते हैं, जबकि उनके बड़े भाई, सेनगोला (शिव राजकुमार) भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेते हैं। जब ईसा को गांव वालों के साथ संघर्ष का सामना करना पड़ता है और उसे जाने के लिए कहा जाता है, तो वह

सम्मान हासिल करने के लिए ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल होने का फैसला करता है। इस दौरान अंग्रेजों द्वारा मिलर के नाम से जाना जाने वाला ईसा लोकल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ खतरनाक हमले में शामिल एक बटालियन का हिस्सा बन जाता है। हालांकि इससे परेशान होकर वह सेना छोड़ देता है और फिर क्रांतिकारी कैप्टन मिलर में बदल जाता है।

इस पर बात करते हुए प्राइम वीडियो इंडिया के निर्देशक और कंटेंट लाइसेंसिंग हेड मनीष मेंघानी ने कहा, प्राइम वीडियो में, हमारा मकसद अपने ग्राहकों को विभिन्न शैलियों और भाषाओं में शानदार और आकर्षक कहानियों के साथ लगातार एंटरटेन करना है जो उनकी डाइवर्स व्यूविंग प्रेफरेंस पर खरा उतरे। कैप्टन मिलर में वे सभी चीजें हैं जो इसे एक यूनीवर्सल रूप से आकर्षक फिल्म बनाते हैं - एक आकर्षक प्लॉट, शक्तिशाली प्रदर्शन, बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस और इमोशनल अपील के साथ ड्रामा। उन्होंने आगे कहा, हमने सत्य ज्योति फिल्म्स के साथ अब तक एक सफल साझेदारी की है और पट्टास और विश्वसम जैसे उन्होंने कई सफल प्रोजेक्ट दिए है। अब हम कैप्टन मिलर का प्रीमियर करने के लिए एक्साइटेड हैं, जो हमारी लिस्ट में एक और ब्लॉकबस्टर टाइटल है और हम अपने ग्राहकों को इस एक्शन एडवेंचर का अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। वहीं निर्देशक अरुण मथेश्वरन ने कहा, कैप्टन मिलर 1930 के दशक पर आधारित है और यह एक ऐसे इंसान की यात्रा दिखाती है जो आजादी के लिए लड़ रहा है, जो इसे न केवल आकर्षक बनाता है बल्कि बहुत इमोशनल भी बनाता है। ये फिल्म में धनुष को उस तरह से दिखाती है जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा है, और फिल्म को जो सराहना मिली है उसे देखना वाकई शानदार रहा है। कैप्टन मिलर हमारे प्यार का फल है, और मैं उत्साहित हूं कि यह फिल्म अब प्राइम वीडियो के साथ भारत और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंच जाएगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज की कंगना की याचिका, जावेद के मानहानि केस में एक्ट्रेस को झटका

गीतकार जावेद अख्तर के साथ चल रही कंगना रनौत की कानूनी लड़ाई में एक बड़ा मोड़ आ गया है। मानहानि को लेकर एक्ट्रेस ने जावेद अख्तर के खिलाफ जो याचिका दायर की थी, उसे बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने एक्ट्रेस की इस याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायमूर्ति प्रकाश नाइक ने आदेश पारित किया और कार्यवाही रोकी। इसके बाद, जावेद अख्तर ने 2020 में अभिनेत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी जब उन्होंने ऋतिक रोशन के साथ उनकी बदसूरत लड़ाई के बाद उन्हें अपने घर बुलाकर धमकी देने का आरोप लगाया था।

उन्होंने कहा कि, एक बार जावेद अख्तर ने मुझे अपने घर बुलाया और कहा कि राकेश रोशन (ऋतिक रोशन के पिता) और उनका परिवार बहुत बड़े लोग हैं. अगर आप उनसे माफी नहीं मांगेंगे तो आप कहीं नहीं रहेंगे। तुम्हें जेल में डाल दो, और अंतत:, एकमात्र रास्ता विनाश का होगा... तुम आत्महत्या कर लोगे। ये उसके शब्द थे। वह मुझ पर चिल्लाये। मैं उनके घर में कांप रही था। जावेद अख्तर ने सत्र अदालत के समक्ष एक पुनरीक्षण याचिका दायर की, जिसमें कहा गया कि उपनगरीय अंधेरी में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत ने उन्हें जल्दबाजी और अनुचित तरीके से समन जारी किया था, जिसके परिणामस्वरूप न्याय का गंभीर गर्भपात हुआ।

इस बीच, काम के मोर्चे पर, कंगना रनौत अपनी आगामी रिलीज इमरजेंसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ऐतिहासिक ड्रामा में कंगना भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी। इस आगामी फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक हैं। एक्टिंग के अलावा कंगना रनौत फिल्म का निर्देशन भी कर रही हैं।

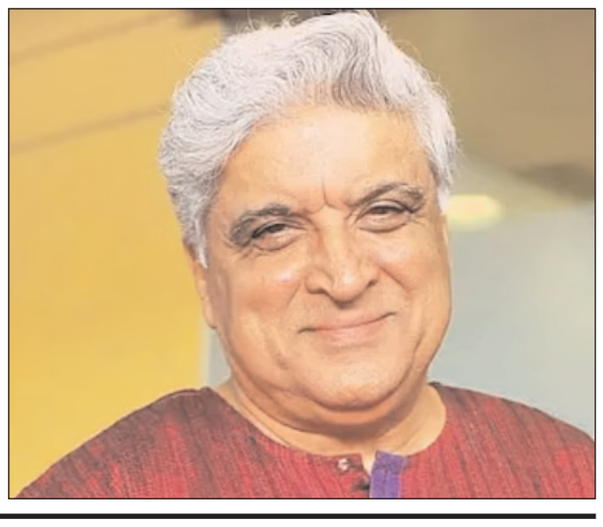

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

असम पहुंचे मोदी; 11,600 करोड़ की देंगे सौगात

गुवाहाटी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम के दौरे पर हैं। इसी क्रम में वे शनिवार को गुवाहाटी हवाईअड्डे पर पहुंचे। जहां राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने पीएम मोदी की अगवानी की। गुवाहाटी में पीएम मोदी खानापारा स्थित वेटरनरी कॉलेज फील्ड में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए एक लाख मिट्टी के दीपक जलाए। यहां रविवार को वह लगभग 11,600 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं शुरू करेंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री शाम करीब साढ़े छह बजे ओडिशा से गुवाहाटी स्थित लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। यहां राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, राज्य के मंत्रियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मोदी का स्वागत किया। इसके बाद कोइनाधोरा राज्य अतिथि गृह के लिए रवाना हुए। जहां मोदी भाजपा प्रदेश कोर कमेटी से मिले और पार्टी के मामलों पर विचार विमर्श किया। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि रविवार सुबह 11.30 बजे मोदी खानापारा के वेटरनरी कॉलेज के मैदान में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करेंगे।

खेल मंत्रालय ने भारतीय पैरालंपिक समिति को किया निलंबित

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने शनिवार (तीन फरवरी) को भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को निलंबित कर दिया है। मंत्रालय ने यह फैसला समिति की चुनाव प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के बाद लिया है। उसने यह कदम पिछली कार्यकारी समिति के कार्यकाल की समाप्ति के लगभग दो महीने बाद पीसीआई द्वारा चुनावों की घोषणा के बाद उठाया। मंत्रालय ने कहा कि यह भारतीय पैरालंपिक समिति के संविधान और खेल संहिता दोनों का उल्लंघन है। देश में पैरा-स्पोर्ट्स के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता प्राप्त भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का आखिरी चुनाव सितंबर 2019 में हुआ था। हालांकि, कानूनी जटिलताओं के कारण परिणाम 31 जनवरी 2020 तक घोषित नहीं किए गए थे। खेल मंत्रालय ने बताया कि 28 मार्च 2024 को चुनाव कराने का पीसीआई का निर्णय उसके संविधान और खेल संहिता दोनों का उल्लंघन करता है, जो पदाधिकारियों के कार्यकाल की समाप्ति से कम से कम एक महीने पहले चुनाव कराना अनिवार्य करता है।

न्याय संकल्प सम्मेलन में प्रधानमंत्री पर खड़गे का वार

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में न्याय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह लड़ाई संविधान, लोकतंत्र को बचाने के लिए है और अगर आप इसमें विफल रहे तो आप स्थायी रूप से (पीएम) मोदी के गुलाम बन जाएंगे। अपना वार जारी रखते हुए खड़गे ने कहा कि उन्होंने (भाजपा) हर साल 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, ये नौकरियां कहां हैं?... हम उन्हें (पीएम मोदी) झूठों का सरदार के अलावा क्या कह सकते हैं। उन्होंने हमारे किसानों, युवाओं और महिलाओं को धोखा दिया। खड़गे ने कहा कि पिछले 21 दिन से भारत जोड़ो न्याय यात्रा चल रही है। राहुल गांधी जी इस यात्रा में न्याय के 5 स्तंभ लेकर निकले हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जनता के हक के लिए लड़ रहे हैं। हर कांग्रेस कार्यकर्ता में जोश आना चाहिए कि यह लड़ाई किसी एक के लिए नहीं, बल्कि संविधान की रक्षा के लिए है।

नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ एक्शन की तैयारी में कांग्रेस

नईदिल्ली। कांग्रेस नवजोत सिंह सिद्धू के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है, जो चुनाव समिति का सदस्य होने के बावजूद 1 फरवरी को हुई पंजाब चुनाव समिति की बैठक से अनुपस्थित रहे और कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ समानांतर बैठक की। चुनाव समिति में पंजाब कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव की मौजूदगी और एक अलग समानांतर बैठक आयोजित करने और बैठक में नहीं आने के लिए नवजोत सिंह सिद्धू को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। पंजाब में 11 फरवरी को समराला में होने वाली कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कार्रवाई हो सकती है। पंजाब कांग्रेस इकाई ने आलाकमान को एक रिपोर्ट भेजी है। अलग-अलग रैलियां आयोजित करने के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की पार्टी के भीतर से मांग के बीच, कांग्रेस नेता नवजोत सिंह ने पिछले महीने देवेंद्र यादव से मुलाकात की और कहा कि अनुशासन का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजें नहीं होना चाहिए।

बहुमत साबित करने में हम सफल होंगे : चंपई सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में नवगठित महागठबंधन 5 फरवरी को फ्लोर टेस्ट का सामना करेगा। इसको लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। फ्लोर टेस्ट पर झारखंड के सीएम चंपई सोरेन ने कहा ने कहा कि हमारा गठबंधन मजबूत है। हेमंत सोरेन ने राज्य में आदिवासियों-मूलवासियों के लिए जो काम शुरू किया, विकास का जो रास्ता बनाया- उसके लिए विपक्ष ने उन्हें परेशान किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष हताश है और झूठे मुकदमे में उन्हें जेल भेज दिया मामला। उन्होंने दावा किया कि हम फ्लोर टेस्ट में सफल होंगे। फ्लोर टेस्ट पर जेएमएम नेता मनोज पांडे ने कहा कि इंडिया अलायंस एकजुट है। हमारे साथ 48 से ज्यादा विधायक हैं। हमारे सभी विधायक मौजूद रहेंगे और हम फ्लोर टेस्ट आसानी से पास कर लेंगे। उन्होंने कहा कि तमाम कोशिशों के बावजूद, दिल्ली, गुजरात और रांची के एक साथ आने के बावजूद इंडिया अलायंस बरकरार रहा।

2014 से पहले भारत का युवा निराशा में डूबा था, आज आत्मविश्वास से भरा : मोदी

प्रधानमंत्री ने संबलपुर में 68,000 करोड़ रुपये की 18 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

संबलपुर। विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा को 68 हजार करोड़ रुपये की 18 परियोजनाओं की सौगात दी है। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने केंद्र की योजनाओं से ओडिशा को होने वाले लाभ को भी गिनाया। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि बीते दस वर्षों में केंद्र सरकार ने जो नीतियां बनाई हैं, उनका ओडिशा को बहुत ज्यादा फायदा हुआ। हमने खनन के क्षेत्र में जो नए सुधार किए हैं, ओडिशा उसका बहुत बड़ा लाभार्थी है। खनन नीति में बदलाव के बाद ओडिशा की आय में दस गुना की बढ़ोतरी हुई है।

अपने संबोधन में अंतरिम बजट का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दो दिन पहले ही देश का नया बजट आया है। पिछले 10 वर्षों में जिस नीति पर चलते हुए देश के 25 करोड़ लोग, गरीबी से बाहर निकले हैं, ये बजट उसी नीति को और मजबूत करता है। इस बजट का ऐलान है- गरीबों को सशक्त करने की गारंटी। हमारे युवा हों, महिलाएं हों, किसान हों, मछली पालक हों, ये बजट सबके विकास की गारंटी देता है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि मेरा कोई गरीब भाई-बहन झुग्गी-झोपड़ी में न रहे, इसके लिए मैं दिन-रात एक कर रहा हूं। किसान हों, मछली पालक हों, मछुआरे हों, इनकी आय बढ़े, इनका जीवन आसान हो, ये भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्षों में हमने उन गांवों में भी बिजली पहुंचाई, जो देश की आजादी के बाद भी अंधेरे में थे। हम एलईडी बल्ब की नई क्रांति देश में लाए ताकि गरीब का बिजली बिल कम हो। अब हमारा प्रयास है कि देश के गरीब का बिजली बिल भी जीरो हो जाए इसलिए इस बजट में 1 करोड़ परिवारों के लिए रूफटॉप सोलर पावर स्कीम की घोषणा की गई है। बीते 10 वर्षों में करीब 1 करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। इस वर्ष के बजट में 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य उठाया गया है। संबलपुर में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले 10 वर्षों तक, केंद्र में जो सरकार थी, वह बजट में जितनी

घोषणाएं करती थी, उससे कई गुना बड़े घोटाले करती थी। 2014 से पहले भारत का युवा निराशा में डूबा था, उसका भविष्य अंधेरे में था, आज भारत का युवा आत्मविश्वास से भरा है क्योंकि उसके पीछे ईमानदार भाजपा सरकार खड़ी है। दिल्ली में जब कांग्रेस का राज था, तब ओडिशा को अपने हक के लिए भी परेशान होना पड़ता था। आज आपका ये बेटा दिल्ली में बैठा है, इसलिए आज ओडिशा के विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जहां ओडिशा की पहचान को खराब करने के प्रयास होते थे, वहीं हमारी सरकार आज ओडिशा का गौरव बढ़ा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा में जी-20 की बड़ी बैठकें हुईं, जिनमें दुनियाभर से लोग आए। दिल्ली में जो जी-20 शिखर सम्मेलन हुआ, उसमें भी ओडिशा छाया रहा। भारत की सांस्कृतिक विरासत से दुनिया के ताकतवर देशों के नेताओं को परिचित कराने के लिए हमने कोणार्क चक्र को चुना।

इस दौरान पीएम मोदी ने प्रोड्यूसर साधु मेहर के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा आज प्रतिभाशाली फिल्म एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर साधु मेहर जी के निधन का दुखद समाचार भी मिला। साधु मेहर फिल्म और कला के क्षेत्र में ओडिशा की प्रतिभा के एंबेसडर थे। हमारी सरकार ने 2017 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। साधु मेहर जी को मैं विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। इससे पहले उन्होंने संबलपुर में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) के स्थायी परिसर का उद्घाटन किया। इसे 400 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने संबलपुर में 68 हजार करोड़ रुपये की 18 परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया। समारोह में मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, राज्यपाल रघुवर दास और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे।

आडवाणी को भारत रत्न की घोषणा पर आज भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए गर्व और सम्मान का दिन

भारत सरकार ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के संबलपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, आज बीजेपी के हर कार्यकर्ता के लिए गर्व और सम्मान का दिन है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश ने लाल कृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार इसी परंपरा का सम्मान करने के लिए दिया जाता है। पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्र की सेवा परंपरा के सम्मान के हम सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान है। उन्होंने कहा ये सम्मान उस विचाराधारा का सम्मान भी है जो सिर्फ राष्ट्र प्रथम को लेकर चलती है। ये सम्मान दो सांसदों वाली पार्टी से देश और दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने का सम्मान है और लोकतंत्र को मजबूती देने वाले कार्यकर्ताओं के संघर्षों का सम्मान है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, एक समय था जब शुचिता और ईमानदारी पर आधारित एक अलग राजनीति के कारण भाजपा को सियासी अछूत पार्टी घोषित कर दिया गया। लेकिन अटल (पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई) जी के साथ आडवाणी जैसे नेताओं ने उस दुष्चक्र को तोड़ने के लिए अपना जीवन खफा दिया। भारत रत्न के एलान के बाद 96 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि मैं अत्यंत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। उन्होंने कहा कि यह न केवल एक व्यक्ति के रूप में मेरे लिए सम्मान है, बल्कि उन आदर्शों और सिद्धांतों का सम्मान है जिनकी मैंने अपनी पूरी क्षमता से जीवनभर सेवा की है।

कांग्रेस और ममता बनर्जी के मतभेद सतह पर आए

अधीर रंजन चौधरी ने कहा - भाजपा और दीदी एक ही भाषा बोल रहे हैं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार, 2 फरवरी को कांग्रेस को हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा से मुकाबला करने की चुनौती दी थी और कहा था कि उन्हें संदेह है कि सबसे पुरानी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में 40 सीट भी हासिल कर पाएगी। बनर्जी ने कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की भी आलोचना की, जो राज्य के छह जिलों से होकर गुजरी। अब कांग्रेस ने ममता बनर्जी पर पलटवार किया है और उनपर बीजेपी की भाषा बोलने का आरोप लगाया है।

मुर्शिदाबाद में पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भाजपा बोलती है कि कांग्रेस खत्म हो गई है, कांग्रेस के पास कुछ नहीं है। वहीं भाजपा के सुर में सुर मिलाते हुए ममता बनर्जी बोलती हैं कि कांग्रेस को 40 सीटें भी मिल जाएं तो बहुत है। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी बोलते हैं कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है, यही बात ममता बनर्जी भी बोलती हैं... क्यों भाजपा और दीदी एक ही भाषा बोल रहे हैं? आप (ममता बनर्जी) बोलती हैं कि इंडिया गठबंधन का नामकरण आपने किया है, तो फिर आज आपको इंडिया गठबंधन क्यों खराब लग रहा है? आपके लिए राज्य पहले है... राहुल गांधी के लिए देश पहले है, बाकी सब बाद में है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कांग्रेस को अपने बयानों से असहज कर रखा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ममता का कहना है कि मैंने प्रस्ताव दिया कि कांग्रेस 300 सीट पर चुनाव लड़े (देश भर में जहां भाजपा मुख्य विपक्ष है), लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान देने से इनकार कर दिया। अब, वे मुस्लिम मतदाताओं को अपने पाले में करने के लिए राज्य में आए हैं। मुझे संदेह है कि यदि वे 300 सीट पर चुनाव लड़ते हैं, तो क्या वे 40 सीट भी जीत पाएंगे। बनर्जी ने दोहराया कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक थी, लेकिन उसने उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। ममता ने कहा कि हम गठबंधन के लिए तैयार थे, उन्हें दो सीट की पेशकश की थी जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। अब उन्हें सभी 42 सीट पर अकेले चुनाव लड़ने दें। तब से, हमारे बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। बनर्जी ने कांग्रेस को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने की चुनौती दी। उन्होंने कहा किअगर आपमें हिम्मत है तो यूपी, बनारस, राजस्थान, मध्य प्रदेश में भाजपा को हराएं।

ममता बनर्जी के बयान पर कांग्रेस ने किया पलटवार

कांग्रेस ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तंज का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें संदेह है कि क्या सबसे पुरानी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में 40 सीटें भी जीत पाएगी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि हम मान रहे हैं कि वह (पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी) अभी भी इंडिया समूह का हिस्सा हैं, 27 पार्टियों का एक समूह जिसने गठबंधन बनाया है। उनका दावा है कि उनकी प्राथमिकता भाजपा से लड़ना है। हमारी प्राथमिकता भी बीजेपी से लड़ना है। उन्होंने ककहा कि मुझे लगता है कि अगर हम सब एक साथ आएं तो बेहतर होगा। मुझे लगता है कि हमें यह समझना चाहिए कि यह स्थानीय स्तर का चुनाव नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि ममता बनर्जी के मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए। 11 दिन भारत जोड़ो न्याय यात्रा उत्तर प्रदेश में रहेगी।

खेल
प्रमुख समाचार

यशस्वी जायसवाल ने दोहरा शतक ठोक रचा इतिहास

नईदिल्ली। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन दोहरा शतक जड़ने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बने। अपना छठा टेस्ट मैच में 22 साल के जायसवाल ने 290 गेंद की पारी में 19 चौके और सात छक्के की मदद से 209 रन बनाये।

वह दिग्गज जेम्स एंडरसन की गेंद पर जॉनी बेयरस्टो को कैच देकर पवेलियन लौटे। सबसे कम उम्र में दोहरा शतक जड़ने वाले भारतीय का रिकॉर्ड विनोद कांबली के नाम है। पूर्व वामहस्त बल्लेबाज कांबली ने 1993 में 21 साल और 335 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ दोहरा शतक जड़ा था।

कांबली ने इसके 20 दिन के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना लगातार दूसरा दोहरा शतक बनाया था। कांबली से पहले महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर लंबे समय तक दोहरा शतक जड़ने वाले भारत के सबसे युवा बल्लेबाज थे।

उन्होंने 1971 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। जायसवाल ने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पदार्पण टेस्ट मैच में 171 रन बनाए थे। उन्होंने हैदराबाद में मौजूदा श्रृंखला के शुरुआती मैच में 80 रन बनाये थे, जिसे भारत 28 रन से हार गया था। जायसवाल बीते दिन 179 रन नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन के पहले सत्र में पदार्पण कर रहे स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगाकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। उनकी शानदार बल्लेबाजी से भारत ने पहली पारी में 396 रन बनाये। भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला में 0-1 से पिछड़ रही है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

रिलायंस पावर का दिसंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट बढ़कर 1,136.75 करोड़ रुपये पर

नईदिल्ली। रिलायंस पावर लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध घाटा बढ़ते खर्चों के कारण चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर, 2023) में बढ़कर 1,136.75 करोड़ रुपये हो गया है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 291.54 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय मामूली बढ़कर 2,001.54 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,936.29 करोड़ रुपये थी। कंपनी का खर्च बढ़कर आलोच्य तिमाही में बढ़कर 3,179.08 करोड़ रुपये हो गया, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,126.33 करोड़ रुपये था।

अमेजन के पांच करोड़ शेयर बेचेंगे जेफ बेजोस

नई दिल्ली। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस अगले 12 महीनों में कंपनी के 50 मिलियन (5 करोड़) शेयरों को बेचने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 171.8 डॉलर प्रति शेयर की मौजूदा कीमत पर अमेजन के इन शेयरों की कुल वैल्यू 8.6 अरब डॉलर है। कंपनी की एक नई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों की यह बिक्री योजना पिछले साल 8 नवंबर को शुरू की गई थी और यह प्रक्रिया 31 जनवरी, 2025 तक पूरी हो जाएगी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उम्मीद से अधिक बिक्री दर्ज करने के बाद अमेजन के शेयर शुक्रवार को लगभग 8% चढ़ गए। कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद बीती तिमाही में अमेजन की ऑनलाइन बिक्री में सबसे बड़ा इजाफा हुआ है। बीते साल अमेजन के शेयरों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दिखी थी और इसने बेंचमार्क इंडेक्स एसएंडपी 500 इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया था।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक का प्रॉफिट 35 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई (एसबीआई) ने शनिवार को दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित कर दिए। बैंक का स्टैंडअलोन प्रॉफिट अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 35 परसेंट की गिरावट के साथ 9,164 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल समान तिमाही में बैंक को 14,205.34 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। इस दौरान बैंक की इंटरेस्ट इनकम 105,733.78 करोड़ रुपये रही जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है। पिछले साल दिसंबर तिमाही में बैंक को ब्याज से 86,616.04 करोड़ रुपये की इनकम हुई थी। दिसंबर तिमाही में बैंक ने 66,918 करोड़ रुपये का ब्याज चुकाया। इस तरह बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) 38,816 करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल के मुकाबले 4.59 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर तिमाही में बैंक का ऑपरेटिंग प्रॉफिट 20,336 करोड़ रुपये रहा।

बैंक ऑफ इंडिया का दिसंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट 62% बढ़ा

नईदिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार (2 फरवरी) को 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए शुद्ध लाभ में साल-दर-साल 62.4% की बढ़ोतरी के साथ 1,869.5 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। पिछले साल, बैंक ऑफ इंडिया ने 1,151 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। बैंक ने एक नियामक फाइलिंग में कहा। बीओआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 16,411 करोड़ रुपये रही, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 14,160 करोड़ थी। बैंक की ब्याज आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 15,218 करोड़ रुपये हो गई, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12,728 करोड़ रुपये थी। दिसंबर, 2023 के अंत तक बैंक की एनपीए घटकर सकल ऋण का 5.35 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले 7.66 प्रतिशत थी।

अंतरिम बजट से विकसित भारत के सफर की शुरुआत

कृष्णमोहन झा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रमण ने गत दिवस संसद में जो अंतरिम आम बजट प्रस्तुत किया है उसमें उन्होंने कोई ऐसी लोकलुभावन घोषणाएं नहीं की जिनसे लोग यह धारणा बना लें कि यह बजट आगामी लोकसभा चुनावों में मतदाताओं को रिझाने की? मंशा से प्रेरित होकर तैयार किया गया है। निश्चित रूप से यह अंतरिम बजट भाजपा नीत केंद्र सरकार के इस आत्म विश्वास को उजागर करता है कि उसे चुनावों में अपनी शानदार विजय सुनिश्चित करने के लिए बजट में भारी भरकम लोक लुभावन घोषणाएं करने की आवश्यकता नहीं है। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि उत्तर प्रदेश की पावन नगरी अयोध्या में नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में हाल में ही संपन्न रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के माध्यम से सरकार ने करोड़ों

देशवासियों का जो अपार समर्थन अर्जित किया है उसने भी सरकार के आत्मविश्वास को द्विगुणित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट सत्र के पहले दिन ही संसद भवन के परिसर में अपने संक्षिप्त उद्बोधन में जिस तरह राम राम कहकर सबका अभिवादन किया वह भी सरकार के आत्मविश्वास को उजागर कर रहा था इसलिए इस बजट में आगामी सरकार की चुनावी संभावनाओं को बलवती बनाने के लिए अंतरिम बजट को लोकलुभावन बजट के रूप में पेश करने की कोई मंशा परिलक्षित नहीं होती। सदन के अंदर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब अपना बजट भाषण पढ़ रहीं थीं तो अनेकों बार सत्ता पक्ष के सदस्यों ने अपनी मेज़ थपथपाकर अपनी खुशी जाहिर कि जो कि स्वाभाविक ही था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतरिम बजट को देश के भविष्य के निर्माण का बजट बताते हुए कहा है कि यह बजट समावेशी होने के साथ साथ नवोन्मेषी भी है। यह बजट विकसित भारत के चार महत्वपूर्ण स्तंभों युवा , महिला, किसान और गरीब को सशक्त करेगा। अंतरिम बजट पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया की बात करें तो वास्तविकता यह है कि इस अंतरिम बजट में कमियां खोजने की उनकी मंशा पूरी नहीं हो सकी। दरअसल इस अंतरिम बजट में ऐसा कुछ नहीं है जिसे विपक्ष आगामी लोकसभा चुनावों में मोदी सरकार के विरुद्ध चुनावी मुद्दा बनाने में सफल हो सके। इसे भी आगामी चुनाव की दृष्टि से मोदी सरकार के लिए शुभ संकेत के रूप में देखना ग़लत नहीं होगा।

मोदी सरकार के इस अंतरिम बजट में महिलाओं के आर्थिक सामाजिक उन्नयन के उद्देश्य से जो घोषणाएं की गई हैं उनमें सर्वप्रमुख यह है कि सरकार ने 83 लाख स्व सहायता समूहों से जुड़ी देश की 9 करोड़ महिलाओं में से तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। स्व सहायता समूहों को सरकार द्वारा दी जा रही सहायता के फलस्वरूप अभी तक एक करोड महिलाओं को लखपति दीदी बनने का गौरव प्राप्त हो चुका है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में बताया कि 30 करोड़ महिलाएं मुद्रा योजना के अंतर्गत ऋण लेकर अपने परिवार को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में हाथ बंटा रही हैं। इसी तरह सरकारी योजनाओं के तहत ऋण लेकर उच्च शिक्षा अर्जित करने वाली महिलाओं की संख्या में भी पिछले दस सालों में 28 प्रतिशत इजाफा हुआ है। आंगनवाड़ी केन्द्रों के उन्नयन, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना के अंतर्गत अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने , सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु 14 वर्ष तक की महिलाओं के निशुल्क टीकाकरण को प्रोत्साहन , मिशन इंद्रधनुष अंतर्गत घर बैठे टीकाकरण की जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में अंतरिम बजट में जो घोषणाएं की गई हैं उनके लिए निर्मला सीतारमण निश्चित रूप से साधुवाद की हकदार हैं। अंतरिम बजट के अनुसार सरकार मध्यम वर्ग की आबादी के लिए हाउसिंग फार मिडिल क्लास योजना प्रारंभ करेगी जो मध्यम वर्ग के लोगों को मकान खरीदने अथवा मकान निर्माण का स्वप्न साकार करने में सहायक सिद्ध होगी। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अगले पांच सालों में ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ आवास निर्माण के लक्ष्य की घोषणा इस अंतरिम बजट में सरकार ने की है।

कही-सुनी

रवि भोई

महतारी वंदन योजना का पेंच खुला दिल्ली से

कहते हैं 24 जनवरी के कैबिनेट में महतारी वंदन योजना को टाल दिया गया था और लगभग राय बन गई थी, इसे लोकसभा चुनाव के बाद लागू किया जाय, क्योंकि वित्तीय भार के साथ नियम-शर्ते भी तय नहीं हुआ था। बताते हैं भाजपा संगठन इस योजना को हर हाल में लोकसभा चुनाव के पहले लागू करवाना चाहता था। संगठन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को योजना के लाभ -हानि से अवगत कराया और दिल्ली दरबार का दरवाजा भी खटखटाया। संगठन एवं दिल्ली दरबार की हरी झंडी से आखिरकार बात बन गई और 31 जनवरी को हुई कैबिनेट में योजना को मंजूरी दे दी गई। कहा जा रहा है महतारी योजना की लाभार्थी महिलाओं को एक मार्च से पैसा मिलना शुरू हो जाएगा। तकरीबन 72 लाख महिलाओं के लाभान्वित होने का अनुमान है। आयकरदाता परिवार की महिलाएं योजना से बाहर हो जाएंगी। केंद्र और राज्य सरकार की कर्मचारियों को भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा भी कई शर्तें हैं। सरकार ने योजना का खाखा सार्वजनिक कर दिया है।

गुजराती समाज की जोर आजमाइश

कहते हैं लोकसभा में भाजपा की टिकट के लिए गुजराती समाज के लोग जोर आजमाइश में लग गए हैं। कहा जा रहा है कि गुजराती समाज के प्रतिनिधि के तौर पर रायपुर लोकसभा से पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल और महासमुंद सीट से प्रितेश गांधी भाजपा की टिकट मांग रहे रहे हैं। विधानसभा में देवजीभाई पटेल ने रायपुर उत्तर व धरसींवा सीट और प्रितेश गांधी ने धमतरी से टिकट की मांग की थी। दोनों को विधानसभा में उम्मीदवार नहीं बनाया गया। इनके अलावा भी गुजराती समाज से किसी को प्रत्याशी नहीं बनाया गया। एक समय में गुजराती समाज के दो भाजपा विधायक थे। विधानसभा चुनाव के वक्त गुजराती समाज ने प्रतिनिधित्व के लिए आवाज तो उठाई, पर अनसुनी कर दी गई। चर्चा है कि लोकसभा में टिकट के लिए अभी से कमर कस लिया है। इसके लिए गुजराती समाज का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली और अहमदाबाद जाने वाला है। अब देखते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह गुजराती समाज की बात कितनी सुनते हैं।

लोकसभा के दावेदारों का फ़ाइनल टेस्ट करेंगे शिवप्रकाश

कहते हैं भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश छत्तीसगढ़ के 11 लोकसभा सीटों के दावेदारों का फ़ाइनल परीक्षण करेंगे। खबर है कि शिव प्रकाश रविवार 04 फ़रवरी को रायपुर आकर दावेदारों के नामों को अंतिम रूप देने वाले हैं। कहा जा रहा है संगठन में पदाधिकारी बनाए गए नेताओं को लोकसभा चुनाव नहीं लड़ाया जाएगा। इस फार्मूले से लोकसभा की टिकट के दावेदार कुछ नेता दौड़ से बाहर हो जाएंगे। माना जा रहा है कि राज्य की 11 लोकसभा सीटों में से 5 -6 प्रत्याशियों की घोषणा इसी महीने कर दी जाएगी। चार आदिवासी सीटों और एक एससी सीट में नए चेहरे को उतारना लगभग तय माना जा रहा है। सामान्य सीटों में तीन ओबीसी के खाते में जा <हश्ठ्ठद्र> सकता है। सामान्य में एक ब्राम्हण और सामान्य वर्ग की महिला को उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलें है।

क्या अब बारी डीएम अवस्थी की ?

विष्णुदेव साय की सरकार ने संविदा में नियुक्त डीजी जेल संजय पिल्लै को हटाकर राजेश मिश्रा को नियुक्त कर दिया है। 31 जनवरी को रिटायर राजेश मिश्रा को भी संविदा नियुक्ति दी गई है। संजय पिल्लै को हटाने के बाद अब संविदा में नियुक्त ईओडब्ल्यू के प्रभारी डीएम अवस्थी को बदले जाने की चर्चा शुरू हो गई है। अवस्थी डॉ रमनसिंह के कार्यकाल में कई साल खुफ़िया प्रभारी रहे हैं और भाजपा और संघ के पदाधिकारियों से उनके अच्छे रिश्ते बताए जाते हैं। इसके बाद भी अवस्थी की जगह एडीजी एसआरपी कल्लूरी को ईओडब्ल्यू और एसीबी का प्रभारी बनाए जाने की कानाफूसी चल रही है। ईडी द्वारा कई घोटालों को लेकर ईओडब्ल्यू और एसीबी में एफआईआर दर्ज कराने के बाद छत्तीसगढ़ में इन दिनों यह बड़ी महत्व और सुर्ख़ियों वाली संस्था बन गई है।

अगले हफ्ते आईएएस की लिस्ट संभव

माना जा रहा है कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन और लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले सरकार आईएएस अफसरों की एक और तबादला सूची जारी कर सकती है। अभी तक के कार्यक्रम के मुताबिक़ मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 8 फरवरी को हो जाएगा। चर्चा है कि इसके बाद कुछ आईएएस अफसरों में हेरफेर हो सकता है। कुछ कलेक्टर भी बदले जा सकते हैं। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालय में पदस्थ कुछ अफसरों के फील्ड में जाने और कुछ के जिलों से मंत्रालय में आने आईएएस अफसरों की नई ट्रांसफर लिस्ट निकल सकती है।

बुरे फंसे अमरजीत भगत

पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता अमरजीत भगत आयकर विभाग के टारगेट में आ ही गए। अमरजीत भगत जब मंत्री थे, तब तरह -तरह की चर्चाएं चलती रहती थीं। ईडी ने उन्हें कोयला लेवी मामले में भी लपेट दिया है। ईडी की एफआईआर में उनका नाम आ गया है। आयकर विभाग और ईडी के खेल में वे ऐसे फंस गए हैं, जैसा चूहा पिंजरे में फंस जाता है। केंद्रीय एजेंसियों ने सीतापुर से विधानसभा चुनाव हारने के बाद सरगुजा लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार बनने का ख्वाब देख रहे अमरजीत के धन और छवि दोनों का मटियामेट कर दिया। विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस की सरकार बनने की गारंटी देने और शर्त लगाने वाले अमरजीत अब गरीब बन गए हैं। अमरजीत ने मीडिया से कहा-एक गरीब को आईटी विभाग परेशान कर रहा है। अमरजीत कई फैक्टरियों और होटल के मालिक बताए जाते हैं।

मंत्री जी की कुलबुलाहट

कहते हैं साय मंत्रिमंडल के एक सदस्य अपना सूखापन दूर करने के लिए बड़े व्याकुल हैं। मंत्री बनने के बाद भी सूखापन उन्हें भा नहीं रहा है। पहली बार मंत्री बने नेताजी ने सूखापन दूर करने के लिए रमन राज में कई मंत्रियों के पास रह चुके एक खिलाड़ी को न्योता दिया, पर खिलाड़ी ने आमंत्रण ठुकरा दिया। बताते हैं सूखापन जल्दी दूर नहीं होने से मंत्री जी बड़े बैचेन हो रहे हैं। वैसे मंत्री जी अपनी टीम में सुर्ख़ियों में रहने वाले एक अफसर को शामिल कर लोगों की नजरों में चढ़ गए हैं। अब देखते हैं मंत्री जी संभलते हैं या अपनी राह में चलते हैं।

अफसर के मंत्रालय में दिखने पर ही चर्चा गर्म

इस हफ्ते केंद्र में पदस्थ एक आईएएस अधिकारी मंत्रालय की गलियारों में नजर आए तो चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। इस अधिकारी के छत्तीसगढ़ लौटने की अटकलें तो काफी दिनों से चल रही है। बताते हैं ये अधिकारी भारत सरकार में अच्छे पद पर हैं और छत्तीसगढ़ आने पर उन्हें क्या मिलेगा, इस पर गाड़ी अटकी है। कहा जा रहा है ये अधिकारी मंत्रालय में अपने बैच मैट अफसरों से राय-मशविरा कर रहे हैं। रमन राज में ये अफसर कई जिलों के कलेक्टर और मुख्यमंत्री सचिवालय में भी रह चुके हैं। अब देखते हैं ये अफसर लौटते हैं या नहीं अथवा उनका मंत्रालय के गलियारों में दिखना केवल चर्चा बनकर रह जाती है।

उड़ान की फिराक में मंत्री जी

कहते हैं एक मंत्री जी राजधानी से निकलकर राज्य के हर जिले और संभाग में अफसरों की मीटिंग लेकर अपना रौब-दाब दिखाना चाहते हैं, पर ऐसा संभव नहीं हो पा रहा है। बताते हैं बिजनेस रूल में यह अधिकार तो मंत्री को नहीं है। मुख्यमंत्री ही ऐसा कर सकते हैं। मंत्री प्रभार जिलों में जाकर अफसरों की मीटिंग ले सकते हैं। कहा जा रहा कुछ शुभचिंतकों ने उन्हें सीमा में रहकर काम करने की सलाह दी है। मंत्री जी का मन तो मान नहीं रहा है। मन तो, चंचल जो ठहरा। खबर है कि मंत्री जी ने अपने आसपास रहने वालों को इसका तोड़ निकालने को कहा है। अब देखते हैं क्या होता है।

महतारी वंदन योजना : केंद्रीय मंत्री ने कहा था रमन और भूपेश की पत्नी को भी लाभ मिलेगाः पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश

रायपुर. मोदी की गारंटी को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि मोदी गारंटी में बोनस की राशि किसानों को देंगे कहा था. लेकिन कई किसानों को अब तक राशि नहीं मिली है. पहली गारंटी पूरी तरह से असफल रही. 31 सौ रुपये देने का वादा भी अब तक पूरा नहीं हुआ है. महतारी वंदन योजना में आज क्राइटेरिया जारी कर दिया गया. अब उन्हें लंबा समय लगेगा. बहुत लोग इससे परेशान होने वाले हैं.

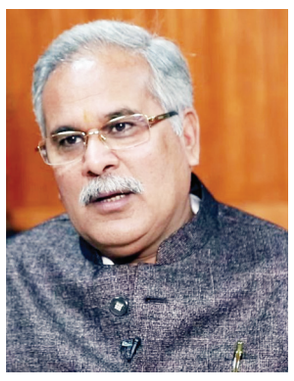

भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने अपने भाषण में कहा था कि रमन सिंह की पत्नी और भूपेश बघेल की पत्नी को भी योजना का लाभ

मिलेगा. आज आप क्राइटेरिया बना रहे हैं. ऐसे में पात्र हितग्राही बहुत कम बचेंगे. हजारों फॉर्म भरवाये कम से कम उतने लोगों को तो फायदा दो. लेकिन सरकार की नियत ही नहीं है. मोदी की दूसरी गारंटी भी असफल होने वाली है.

गृहमंत्री विजय शर्मा के सिलगेर दौरे और नक्सलियों से बातचीत के प्रस्ताव पर भूपेश बघेल ने कहा कि बात करने के लिए सरकार को कोई ठोस कार्यक्रम बनाना चाहिए. टेलीफोन से बात करने की बात कहते हैं. गृहमंत्री का यह दूसरी बार बयान आया है. नक्सली गृहमंत्री की बात को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. हमारे कार्यकाल में 5 साल में कैंप में कभी हमला नहीं हुआ. नक्सली कैंप में घुसकर हम लड़ाई लड़े हैं. जैसे ही सरकार बदली कैंप पर हमला शुरू हो गया. भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर बघेल ने कहा कि ओडिशा से होते हुए न्याय यात्रा छत्तीसगढ़ आएगी. रायगढ़ में हम स्वागत करेंगे. रायगढ़ और सक्ती होते हुए यात्रा सरगुजा जाएगी. पूरी तैयारी चल रही है. जबरदस्त उत्साह है.

बजट सत्र में बड़े मुद्दे उठाए जाएंगे- पूर्व भूपेश- बजट सत्र की तैयारियों को लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि बजट सत्र को लेकर हमारी अपनी तैयारी पूरी है. प्रश्नकाल, ध्यान आकर्षण में बड़े मुद्दे उठाए जाएंगे. नेता प्रतिपक्ष बैठक लेंगे उसमें मुद्दे तय होंगे.

पूर्व सीएम बघेल और उनके मंत्रियों ने कई योजनाओं को बना रखा था अपनी काली कमाई का जरियाः रोहरा

रायपुर. भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा ने कांग्रेस पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने हमला करते हुए कहा, कांग्रेस शासनकाल की फिजूल और भ्रष्टाचार की प्रतीक बन चुकीं योजनाओं को उनकी समीक्षा करने के बाद उनकी अनुपयोगिता को देखते हुए बंद करने की मांग की है. कांग्रेस शासनकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके मंत्रियों ने अनेक योजनाओं को अपनी और कांग्रेस पार्टी की काली कमाई का जरिया बना रखा था. भाजपा शुरू से ही यह कहती आ रही है कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का एटीएम बना रखा था. इसलिए अब घपले-घोटालों की सहायक बनी ऐसी योजनाओं से प्रदेश को मुक्त किया जाए.

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री रोहरा ने कहा कि, कांग्रेस शासनकाल में चारो ओर भ्रष्टाचार और घोटालों की ही गूंज रही है. सरकार की तमाम योजनाएं इस काली कमाई की सहायक सिद्ध हुई थीं. गौठान से लेकर गोबर तक, कोयला से लेकर शराब तक, प्रधानमंत्री अन्न से लोकर पीडीएस में चावल घोटाले तक और पीएससी परीक्षा से लेकर तबादलों और पदस्थापनाओं तक कांग्रेस की पूर्ववर्ती प्रदेश सरकार ने सरकारी खजाने में खुली लूट मचा रखी थी. आगे रोहरा ने कहा कि, एक तरफ प्रदेश सरकार के लोग घोटालों में लिप्त थे और दूसरी तरफ प्रदेश आधारभूत संरचनाओं के काम के लिए तरसता रहा. विकास के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखने वाली कांग्रेस की पूर्ववर्ती भूपेश सरकार ने रोजगार के नाम पर शिक्षित युवकों को शराब के गोरखधंधे में डिलीवरी ब्वॉय बना दिया. योजनाओं का हंगामा करके कांग्रेस ने पूरे शासनकाल में प्रदेश के हर वर्ग को कदम-कदम पर ठगने और अपमानित करने का काम किया.

रोहरा ने ये भी कहा कि, प्रदेश पर 53 हजार करोड़ रुपए के कर्ज का लादने वाली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को रसातल में पहुंचा दिया था. जब भ्रष्टाचार पर कार्रवाई शुरू हुई तो कांग्रेसी राजनीतिक प्रतिशोध का प्रलाप कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस नेताओं, सरकारी अफसरों और दलालों की गिरफ्तारी हुई है और अब तक उनको जमानत तक के लाले पड़े हुए हैं. भाजपा की प्रदेश सरकार आने के बाद भ्रष्टाचार पर कड़ाई से अंकुश लगना तय है.

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

आडवानी भारत की धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए संकल्पित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शिक्षा एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिए जाने के नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आदरणीय आडवाणी जी ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता को अक्षुण बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। वे अपने सार्वजनिक जीवन में बहुत सी भूमिकाओं में नजर आए हैं। जिस भी भूमिका को उन्होंने निभाया पूरी तन्मयता के साथ राष्ट्रहित को आगे रखकर कार्य किया है। यही वजह हैं कि आज करोड़ों भारतवासियों के हृदय में आडवाणी जी बसे है। वे भारत की धर्म,संस्कृति की रक्षा के लिए संकल्पित है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अयोध्या में प्रभु राम मंदिर निर्माण आज जो हम देख रहे हैं उसमे आडवाणी जी की एक बड़ी भूमिका रही है। ऐसे में आडवाणी जी को भारत रत्न का सम्मान मिलना हम सभी भारतवासियों के लिए आनंद का विषय है। बृजमोहन अग्रवाल ने इस बड़े जनप्रिय निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया है।

आडवानी को दिये धोखे के प्रायश्चित के लिये भारतरत्न दिया जा रहा

रायपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी को केंद्र सरकार ने भारतरत्न देने का निर्णय किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आडवानी जी को बधाई, शुभकामनाएं। ऐसा लगता है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रायश्चित स्वरूप लालकृष्ण आडवानी को भारतरत्न देने का निर्णय लिया है। अटल बिहारी बाजपेयी के बाद आडवानी भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार थे लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपने पूंजीपति मित्रों के धन के बल पर आडवानी की दावेदारी को पीछे धकेल दिया था जिसके कारण आडवानी काफी आहत थे तथा गुरू को धोखा देने के कारण मोदी की आलोचना भी होती रही है। आडवानी जी को श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी जाने से रोक दिया गया था, अब उसी सब के प्रायश्चित स्वरूप उनको भारतरत्न से सम्मानित किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अभी तक जिन भी महापुरूषों को भारतरत्न दिया गया है आजादी के लड़ाई से लेकर आजादी के बाद देश के नवनिर्माण में उनके योगदान के कारण भारतरत्न दिया गया है, कभी कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया। श्रीमती इंदिरा गांधी जी पाकिस्तान के दो टुकड़े करने को लेकर अदम्य बहादुरी का परिचय दिया था>

अवैध रूप से शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि अटल आवास ब्लॉक 20/387, आदर्श चौक के पास कबीर नगर में एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से शराब बिक्री कर रहा है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में कबीर नगर पुलिस टीम द्वारा मुखबीर द्वारा बताये गये उक्त मकान पर जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम दिनेश खरे पिता भूखन खरे उम्र 48 साल निवासी ब्लॉक 20/387 आदर्श चौक अटल आवास कबीर नगर रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके मकान में रखे प्लास्टिक बोरी का तलाशी लेने पर देशी मसाला शराब रखा होना पाया गया। शराब रखने बिक्री करने के संबंध में दिनेश खरे से वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर आरोपी दिनेश खरे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध रूप से रखें 60 पौवा देशी मदिरा मशाला, कीमती लगभग 6,600/-रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 37/24 धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

आईपीएस राहुल भगत बने सीएम के सचिव

रायपुर। आईपीएस राहुल भगत को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सचिव नियुक्त किया गया है। 2005 बैच के आईपीएस भगत अभी नवगठित राजनांदगांव पुलिस रेंज के आईजी हैं। सीएम के वे तीसरे सचिव होंगे। प्रदेश में पहली बार किसी आईपीएस को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है। आईपीएस राहुल भगत को सीएम साय का भरोसेमंद अफसर माना जाता है। आईपीएस राहुल केंद्र में मंत्री रहने के दौरान पीएस रह चुके है। वे 2005 बैच के आईपीएस अफसर हैं। पूर्व में श्री साय के केंद्रीय इस्पात, खान श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री रहने के दौरान राहुल भगत प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली में रहे। वे नारायणपुर कांकेर रायगढ़ और कवर्धा के एसपी रह चुके हैं। स्पेशल टास्क फोर्स के एसपी भी भगत रहे हैं। भारत सरकार के अहम माने जाने वाले श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में वे निदेशक बने। अप्रैल 2023 में डेपुटेशन खत्म कर वापस आने पर पहले कुछ दिनों वे पुलिस मुख्यालय में वे पदस्थ रहें। फिर पुरानी सरकार के द्वारा नवगठित राजनांदगांव पुलिस रेंज के पहले आईजी हैं।

रेलवे ब्लाक से कई गाड़िया प्रभावित, देरी से रवाना होगी गाड़िया

रायपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत राऊरकेला-झारसुगुड़ा सेक्शन के बीच तीसरी लाइन का कार्य किया जाएगा, इस कार्य के लिए ट्राफिक कम पावर ब्लॉक लिया जा रहा है। यह ब्लॉक का कार्य दिनांक 07 फरवरी को 06 घंटे का पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली कुछ गाड़ियो का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस कारण 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस और 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी। मुंबई से चलाने वाली 12261 मुंबई-हावड़ा दुरन्तो एक्सप्रेस हावड़ा से 03 घंटे 45 मिनिट देरी से रवाना होगी। दिनांक 06 फरवरी, को कुर्ला से चलने वाली 22511कुर्ला कामाख्या एक्सप्रेस कुर्ला से 06 घंटे देरी से रवाना होगी। राजेंद्र नगर से चलने वाली 13288 राजेंद्र नगर दुर्ग साउथ बिहार एक्सप्रेस राजेंद्र नगर से 03 घंटे देरी से रवाना होगी। 07 फरवरी,को दुर्ग से चलने वाली 13287 दुर्ग- राजेंद्र नगर साउथ बिहार एक्सप्रेस दुर्ग से 03 घंटे देरी से रवाना होगी। 06 फरवरी को योग नगरी ऋषिकेश से चलाने वाली 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पूरी उत्कल एक्सप्रेस हावड़ा से 03 घंटे 15 मिनिट देरी से रवाना होगी।

ऑनलाईन आवेदन 05 फरवरी से 20 फरवरी तक

महतारी वंदन योजना-पात्र महिलाओं को 1 मार्च से मिलेगा लाभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक और गारंटी पूरी की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य में महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। योजना में पात्र महिलाओं को 01 मार्च 2024 से लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इस योजना के तहत 01 जनवरी 2024 को 21 वर्ष पूर्ण करने वाली महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपए के मान से साल में 12 हजार रूपए की राशि महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। महतारी वंदन योजना के लिए महिलाओं से 05 से 20 फरवरी से आन लाइन आवेदन लिए जाएंगे। आवेदन आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय की लॉगिन आई.डी से किए जा सकते हैं। नगरीय क्षेत्र के आवेदक वार्ड प्रभारी के लॉगिन आई.डी से आवेदन कर सकेंगे।

पात्रता शर्तें-महतारी वंदन योजना के लिए निर्धारित पात्रता शर्तो में महिला को छत्तीसगढ़ का निवासी होना जरूरी है। इसके अलावा जिस वर्ष आवेदन किया जा रहा है उस वर्ष विवाहित महिला की आयु 01 जनवरी 2024 से 21 वर्ष से कम नही होनी चाहिए। योजना के अंतर्गत विधवा, तलाकसुदा, परित्यक्त महिला भी पात्र होंगी। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र महिला को 1000 रूपए की प्रतिमाह के मान से साल में 12 हजार रूपए की राशि डी.बी.टी के माध्यम से उनके बैंक खातों में हस्तांतरण किया जाएगा। विभिन्न पेंशन योजनाओं के तहत लाभान्वित होने वाली ऐसी महिलाएं जिन्हे प्रतिमाह 1000 रूपए से कम राशि मिल रही है, उन्हें योजना के लिए पात्र होने पर अतिरिक्त राशि स्वीकृत की जाएगी, जिससे उन्हें अधिकतम 1000 रूपए मासिक राशि प्राप्त हो सकेगी। आनलाईन आवेदन हेतु पोर्टल एवं एप्प-महतारी वंदन योजना के लिए आवेदन निःशुल्क होगा। इसके अलावा योजना के लिए बनाए गए मोबाईल एप्प पर भी आवेदन जमा किया जा सकता है। योजना के लिए आवेदन 05 फरवरी से लिए जाएंगे। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 20 फरवरी 2024 होगी।

ये दस्तावेज जमा करना होगा- आवेदन करते समय हितग्राहियों को स्वयं का सत्यापित किया हुआ पासपोर्ट साइज की फोटो, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, राशनकार्ड, मतदाता परिचय पत्र में से कोई भी एक, स्वयं एवं पति का आधार कार्ड, स्वयं एवं पति का पैन कार्ड (यदि हो तो), विवाह का प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत व स्थानीय निकायों द्वारा जारी प्रमाण पत्र, विधवा होने की स्थिति में पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, परित्यक्ता होने की स्थिति में समाज द्वारा जारी वार्ड अथवा ग्राम पंचायत द्वारा जारी प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र हेतु 10 अथवा 12 की अंकसूची, स्थानांतरण प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, परिचय पत्र, ड्राईविंग लाइंसेस में से कोई एक, बैंक खाते का विवरण एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति तथा स्व-घोषणा अथवा शपथ पत्र जमा कराना होगा।

ऑपरेशन मुस्कानः गुम बच्चों को खोज निकालने में राज्य पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

रायपुर। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा के निर्देशन पर गुमशुदा बच्चों की पतासाजी हेतु प्रदेशव्यापी अभियान ऑपरेशन मुस्कान दिनांक 01 जनवरी से 31 जनवरी, 2024 तक चलाया गया, जिसमें राज्य पुलिस को अच्छी सफलता मिली है। ऑपरेशन मुस्कान के प्रभावी संचालन के संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा जिलों को विभिन्न दिशा-निर्देश दिये गये, जिसे रेंज पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस अधीक्षकों एवं जिलों में नामांकित नोडल अधिकारियों ने गंभीरता से लेते हुए इस अभियान को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया। यह अभियान प्रदेश के भीतर एवं विभिन्न राज्यों यथा तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा, दिल्ली एवं कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों में चलाया गया। अन्य प्रान्तों से बड़ी संख्या में गुमशुदा बच्चों को दस्तयाब करने में राज्य पुलिस द्वारा सफलता अर्जित की गई। अभियान के दौरान जिलों में गठित पुलिस टीम द्वारा हर संभावित स्थानों पर जाकर गुमशुदा बच्चों की बरामदगी की गई। पूरे अभियान में 50 बालक एवं 454 बालिकाओं इस प्रकार राज्यभर के कुल 504 गुमशुदा बच्चों को दस्तयाब किया गया, जिसमें सर्वाधिक जिला दुर्ग के 93, बलौदाबाजार 58, बिलासपुर के 41 एवं शेष अन्य जिलों द्वारा गुम बच्चों को दस्तयाब किया गया। इस अभियान की विशेषता यह रही कि राज्य से कई वर्षों पूर्व गुम हुए बालक बालिकाओं को भी खोज निकाला गया। ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से दस्तयाब किये गये बालक/बालिकाओं को पुलिस द्वारा विधिवत उनके परिजनों के सुपुर्द कर गुमशुदा बच्चों एवं उनके पालकों के चेहरों पर मुस्कान वापस लौटाने में सफलता प्राप्त की है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.